ज्येष्ठ शुक्ल - 10 | संवत 2081 | वर्ष - 19 | अंक - 318 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » रविवार » 16-06-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तैयारी का मौका प्रदान करेंगे वनडे मुकाबले : हरमनप्रीत

6 हवलदार उधम सिंहः खुद लहूलुहान होकर भी उड़ा दिए 3 घुसपैठियों के चिथड़े

7 रवीना टंडन ने 'फर्जी' वीडियो को लेकर एक व्यक्ति को मानहानि का नोटिस भेजा

फर्स्ट टेक

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के रडारों को निशाना बनाया

दुबई/एपी। अमेरिका की सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों के रडार अड्डों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। अधिकारियो ने शनिवार को बताया कि इन रडार केंद्रों का इस्तेमाल विद्रोहियों द्वारा नौवहन के लिए अहम लाल सागर गलियारे में जहाजों पर हमला करने के लिये किया जा रहा था। यह हमला पूर्व में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक वाणिज्यिक पोत के चालक दल के एक सदस्य के लापता होने के बाद किया गया है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिकी नौसेना को हूती अभियान का मुकाबला करने के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक के सबसे भीषण युद्ध का सामना करना पड़ रहा है।

सूर्यास्त 16-06-2024	सूर्योदय 17-06-2024
6:46 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
76,992.77	23,465.60
(+181.88)	(+66.70)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तिरंगी घाटी

आतंकों के साए में था,
हरदम संगीनों का पहरा।
घाटी में चमके तीन रंग,
ध्वज भारत का फर-फर फहरा।
आहट खुशहाली की सुन कर,
हो गया पड़ोसी अब बहरा।
'जन गण मन' का जयघोष हुआ,
सेना के सिर बाँधा सेहरा।।

आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं : वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने शनिवार को कहा कि आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जटिल डेटा नेटवर्क और नई साइबर प्रौद्योगिकियों से प्रभावित होने वाला और निरंतर बदलने वाला एक परिदृश्य है। यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी (एएफए) में '213 ऑफिसर्स कोर्स' की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए चौधरी ने यह भी कहा कि भविष्य के युद्धों को अतीत की मानसिकता के साथ नहीं लड़ा जा सकता।

उन्होंने कहा, ''आधुनिक युग का युद्ध गतिशील है और लगातार बदलने वाला परिदृश्य है। यह अब केवल लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है। यह जटिल डेटा नेटवर्क और उन्नत साइबर प्रौद्योगिकियों से तेजी से प्रभावित हो रहा है। अधिकारी के रूप में आप सभी को युद्ध जीतने में निर्णायक साबित होने के लिए प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से अपनाने, नवाचार करने और उसका लाभ उठाने की आवश्यकता है।''

चौधरी ने कहा कि किसी अधिकारी में दक्षता, आक्रामकता और पहल करने जैसे तीन सबसे प्रशंसनीय गुण होते हैं और साथ ही ऐसे अधिकारियों की भी जरूरत है जो विचारक भी हों। उन्होंने कहा, ''जब आप इस असाधारण सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं तो ऐसे में भारतीय वायुसेना के मूल मूल्यों- अभियान, समग्रता और उत्कृष्टता को अपना मार्गदर्शक बनाएं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए, वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं के लिए अभियान की सिद्धि सबसे महत्वपूर्ण है। यह किसी संगठन की दिशा, दक्षता और समग्र सफलता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।''

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उन्हें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और इससे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, आप जितना अधिक पढ़ेंगे, आप अपने क्षेत्र की जटिलताओं को उतना ही बेहतर समझ पाएंगे। एक पढ़ा-लिखा व्यक्ति अज्ञात के मुकाबले स्पष्टता के साथ अनुकूलन और नेतृत्व करने में सक्षम होता है।

अब गिने-चुने रह गए हैं आतंकवाद के दिन : डीजीपी आर आर स्वैन

■ हालिया आतंकी घटनाएं आतंकवादियों के पाकिस्तानी आकाओं की हताशा भरी कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आर.आर. स्वैन ने शनिवार को कहा कि राज्य में हाल की आतंकी घटनाएं सीमा पार बैठे आतकवादियों के आकाओं द्वारा कश्मीर में आतंकी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने के बाद अपनी गतिविधियों को चालू रखने की हताशा भरी कोशिश थी। उन्होंने कहा कि दुश्मन ताकतों को नाकाम कर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे छलावे में न आएं और आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में सूचना को सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा करने से पहले उसकी जांच कर लें, ताकि हम वहीं रहें जहां हमें होना चाहिए।

आतंकवादियों ने नौ से 12 जून के बीच रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में एक तीर्थयात्री बस सहित चार स्थानों पर हमले किये, जिनमें नौ लोगों और एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गये। कठुआ में हुई मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए। प्रदेश के पुलिस प्रमुख ने कहा, जब आप किसी खतरे या चुनौती के बारे में बात करते हैं, तो आप देखते हैं कि यह कितना गंभीर या बड़ा है। चुनौती सीमा पार से आ रही है और उन्होंने (आतंकवादियों ने) यह निर्णय लिया है कि वे इसे जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें पता चल गया है कि (जम्मू-कश्मीर में) आतंकवाद के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं, क्योंकि कश्मीर में आतंकी ढांचे को बहुत बड़ा झटका लगा है।

केरल के त्रिशूर में भूकंप का हल्का झटका

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर और पलक्कड़ जिले के कुछ हिस्सों में शनिवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.0 मापी गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि आज सुबह 8.15 बजे क्षेत्र में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। त्रिशूर जिले के अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भूकंप के झटके चार सेकंड तक महसूस किए गए लेकिन इससे किसी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। एनसीएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भूकंप का केंद्र 10.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.05 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सात किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके कुन्नमकुलम, एरुमाप्पेट्टी और पझांजी क्षेत्रों तथा पलक्कड़ जिले के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए।

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की मोदी और मेलोनी ने समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारी (इटली)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों तथा बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में शुक्रवार को दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए इटली की प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में जारी विज्ञप्ति में कहा कि नेताओं ने खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर भी चर्चा की।

क्षेत्र में चीन की आक्रामक गतिविधियों के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेता मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की खातिर तैयार रूपरेखा के तहत क्रियान्वित की जाने वाली संयुक्त गतिविधियों के लिए तत्पर हैं।''

इसने कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों और बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हाल में संपन्न जी7 शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपना एक सेल्फी वीडियो साझा किया है। मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी मित्रता को जाहिर करते हुए इस वीडियो का शीर्षक ''नमस्ते दोस्तों, मेलोडी की ओर से'' दिया है। दोनों नेताओं ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में मुलाकात की थी।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात पर कहा

मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध

बारी (इटली)/भाषा। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है।

मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।''

दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं। पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था।

प्रधानमंत्री 18 को किसानों के लिए जारी करेंगे 20,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 30,000 से अधिक सदस्यों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे, जिन्हें कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से बात करते हुए कृषि क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। चौहान ने कहा, पिछले दो कार्यकालों में कृषि हमेशा से ही प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता रही है। उन्होंने किसानों के हित में कई अहम फैसले लिए।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में आठ नक्सली ढेर

एक जवान शहीद, दो अन्य घायल

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। इस घटना में एसटीएफ का एक जवान शहीद हो गया तथा दो अन्य घायल हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के 'माड़ डिविजन तथा पीएलजीए कंपनी' नंबर एक के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर नारायणपुर के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अबुझमाड़ के कुतुल, फरसबेड़ा और कोड़तामेटा गांव के जंगल में दो दिनों पहले सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था।

सहज स्मृति योग

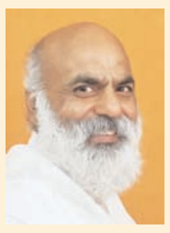

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, आप सत्संग को मानव मात्र के लिए आवश्यक क्यों कहते हैं?

उत्तर: सत्संग केवल मानव मात्र के लिए ही नहीं, जीव मात्र के लिए प्राथमिक है।इसीलिए आवश्यक कहा जाता है परंतु सत्संग को क्या कोई बिलकुल वैसे का वैसा जानता भी है जैसा कि वह यथार्थ में है? जो जान जाता है वही यह जान पाता है कि साँस लेना तक प्राथमिकता क्रम में सत्संग से पीछे कैसे आता है। सबके लिए सत्संग की अलग अलग परिभाषा है क्योंकि हरेक का सत् अलग अलग है। और, किसी के सत्य पर, बिना स्वयं उसी के दूसरे के समक्ष जिज्ञासा प्रकट किए, दूसरे को उस पर टिप्पणी करना शोभा नहीं देता, वह अमर्यादित व्यवहार की श्रेणी में आ जाता है्। अधिकांश के लिए तो उनकी मति में उनकी मान्यताएँ ही सत्य हैं जबकि, सत्य कोई मान्यता नहीं अकाट्य यथार्थ है। मान्यताओं से उबर कर आप प्राथमिकताओं के क्रम को पहचानिए, जानिए, समझिए्। जो सनातन है उसी में पूर्ण सत् होना संभव है। तो फिर उसी सनातन के संग को प्राथमिक और आवश्यक कहा जाएगा या कि नहीं? आप स्वयं विचार कीजिए्।

डेटा सुरक्षा कानून के तहत नियमों का मसौदा अंतिम चरण में, उद्योग से व्यापक परामर्श जल्द : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि डेटा सुरक्षा कानून के तहत नियमों का मसौदा तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने आगे कहा कि उद्योग जगत से व्यापक परामर्श की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को दोगुना करने और नौकरियों के अवसर बढ़ाने की कोशिश करेगा।

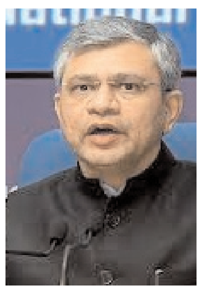

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने भरोसा दिया कि विनियामक कार्य में निरंतरता देखने को मिलेगी। माइक्रोन और टाटा समूह के सेमीकंडक्टर संयंत्र भी तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। डिजिटल निजी डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम को लागू करने की प्रक्रिया 'डिजाइन के द्वारा डिजिटल' के सिद्धांत पर आधारित होगी। इससे काम करने के नए तरीके का रास्ता खुलेगा।

वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने दिसंबर के आसपास नियमों का मसौदा तैयार करने का काम शुरू कर दिया था। डीपीडीपी नियमों का मसौदा काफी हद तक तैयार हो चुका है। हम अब उद्योग से परामर्श शुरू करेंगे और जितना संभव हो उतना व्यापक रूप से आगे बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा कि दूरसंचार अधिनियम और डीपीडीपी अधिनियम दोनों में व्यापक परामर्श की जरूरत है। उन्होंने वादा किया कि डीपीडीपी के नियमों को भी जल्दबाजी में नहीं बनाया जाएगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले वैष्णव ने कहा कि उन्होंने डेटा सुरक्षा नियमों पर चल रहे कार्य की समीक्षा की और वह परिणामों से खुश हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग और हितधारकों के विचारों के आधार पर इसमें बदलाव किए जाएंगे।

रियासी आतंकी हमला

10 घायलों को अस्पताल से छुट्टी, पांच की हालत स्थिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले में गंभीर रूप से घायल छह मरीजों की जीवन रक्षक सर्जरी की गई। डॉक्टरों ने यह जानकारी दी।

श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के निदेशक ने बताया, ''हमारी प्राथमिकता मरीजों की स्थिति ठीक करना और उनकी जान बचाना था।'' कटरा के एसएमवीडी नारायण अस्पताल में गंभीर रूप से घायल 15 मरीजों को भर्ती कराया गया है। अस्पताल ने बताया कि उनमें से दस मरीजों को पहले ही छुट्टी दे दी गई और पांच अभी भी निगरानी में हैं तथा इलाज से उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के सात तीर्थयात्रियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 41 घायल हो गए, जब आतंकवादियों ने पौनी क्षेत्र के तेरयाथ गांव के पास शिवखोरी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर गोलीबारी की। गोलीबारी के बाद 53 सीटों वाली बस गहरी खाई में गिर गई।

अस्पताल के निदेशक डॉ. मथावन ने बताया कि कोड ऑरेंज, जो बाहरी आपदाओं को संदर्भित करता है, को आतंकवादी हमले के पीड़ितों के लिए जारी किया गया था।

डॉ. सोनिया डोगरा (आपातकालीन चिकित्सा), डॉ. सुहैल खुरू (जीआई सर्जरी) और डॉ. विकास पाधा (ऑर्थोपेडिक्स) के नेतृत्व में एक आपातकालीन टीम को तुरंत तैनात किया गया।

हमले में छर्रे लगने से घायल हुईं उषा पांडे (43) ने कहा, ''मैं बहुत डर गई थी, लेकिन डॉक्टरों और नर्सों ने अच्छी देखभाल की। उन्होंने न केवल मेरे घावों को ठीक किया, बल्कि मुझे यह विश्वास करने की शक्ति भी दी कि मैं ठीक हो सकती हूं। मैं अपनी जिंदगी के लिए उनकी आभारी हूं।''

बंटी गुप्ता (30) गोली लगने से घायल हो गए थे। उन्होंने कहा, ''जब मैं आया तो मेरी हालत गंभीर थी। अस्पताल के कर्मचारियों ने मेरे साथ परिवार की तरह व्यवहार किया। उन्होंने जिस लगाव समर्पण से काम किया, मैं उनका हमेशा आभारी रहूंगा।''

दिल्ली में 'आप' नेता जलसंकट दूर करने के बजाय नाटक कर रहे हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने शनिवार को आम आदमी पार्टी पर राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के समक्ष जल संकट के समाधान के लिए पाइपलाइनों में रिसाव एवं चोरी के मुद्दों का समाधान करने के बजाय नाटक करने का आरोप लगाया।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बयान में कहा, अतिरिक्त पानी के लिए यमुना नदी बोर्ड से संपर्क करने के दिल्ली सरकार को उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश के बावजूद आप अब केंद्रीय जल मंत्री सी आर पाटिल से संपर्क करने का एक नया राजनीतिक नाटक रच रही है। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि आप नेता टैंकर माफिया द्वारा पानी की चोरी और रिसाव के मुद्दों को ठीक करने के बजाय दिल्ली में जल संकट पर नाटक क्यों कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा, दिल्लीवासी यह समझ नहीं पा रहे हैं कि आप विधायक केंद्रीय जल मंत्री से क्यों संपर्क कर रहे हैं जबकि उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि केवल ऊपरी यमुना नदी बोर्ड ही दिल्ली को अतिरिक्त पानी दे सकता है। दिल्ली विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक दिलीप पांडे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप विधायकों ने पाटिल को एक पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में भीषण गर्मी के बीच उत्पन्न जल संकट के समाधान के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में गहराए जल सकंट पर कांग्रेस ने 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में व्याप्त जल संकट को लेकर शनिवार को विभिन्न स्थानों पर 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राजधानी के 280 ब्लॉक में सुबह 10 बजे शुरू हुआ। सिर पर मटके और हाथ में कांग्रेस के झंडे लेकर प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में, उन्होंने मटकों को जमीन पर पटककर फोड़ दिया। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राजधानी में गहराए जल सकंट के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। उन्होंने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार ने शहर में पानी की कमी को दूर करने के लिए उचित कदम नहीं उठाए हैं, जिसके कारण लोगों को पानी के टैंकरों के पीछे भागना पड़ रहा है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा था कि यमुना नदी में कम पानी छोड़े जाने से दिल्ली में लगातार पानी की कमी हो रही है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। आतिशी ने आंकड़े साझा करते हुए कहा कि छह जून को पानी की मात्रा 1002 एमजीडी थी, जो अगले दिन यानी सात जून को 993 एमजीडी और आठ जून को 990, नौ जून को 978 एमजीडी, 10 जून को 958 एमजीडी, 11 जून को 919, 12 जून को 951 और 13 जून को 939 एमजीडी रह गई।

पुणे पुलिस ने 3600 करोड़ रुपये से अधिक के मेफेड्रोन की जब्ती मामले में जांच एनसीबी को सौंपी

पुणे/भाषा। पुणे पुलिस द्वारा 3600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मेफेड्रोन (कृत्रिम मादक पदार्थ) जब्त किये जाने के महीनों बाद इस मामले की जांच शनिवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को हस्तांतरित कर दी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मामला देश में मादक पदार्थों के भंडाफोड़ के सबसे बड़े मामलों में से एक है।

अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह प्रक्रिया का एक हिस्सा है। हमें केंद्र और राज्य सरकार से मंजूरी मिली है। अदालत से आवश्यक अनुमति के बाद पुणे पुलिस ने जांच एनसीबी को सौंप दी है। एनसीबी मादक पदार्थों से संबंधित शीर्ष समन्वय निकाय है जो अपने क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों के माध्यम से एक प्रवर्तन एजेंसी के रूप में भी कार्य करता है। एनसीबी अधिकारी सीमा शुल्क, राज्य पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन इकाइयों के साथ मिलकर काम करते हैं।

पुणे पुलिस के अनुसार, उसने फरवरी में महाराष्ट्र, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों से 3,672 करोड़ रुपये मूल्य का 1,836 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया और मादक पदार्थ के अंतरराष्ट्रीय कारोबार के तरीके का खुलासा किया। मादक पदार्थ का उत्पादन विभिन्न शहरों में किया गया था।

पुलिस ने पहले कहा था कि गिरोह में शामिल लोगों ने दिल्ली स्थित एक कूरियर कंपनी को शामिल करके खाद्य सामग्री के पैकेट में छिपाकर मादक पदार्थ की कुछ खेप लंदन भेजी थी।

पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली जिले के कुपवाड़ शहर में एक गोदाम जैसी संरचना में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ संग्रहीत किया गया था।

उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर नीट-यूजी रद्द करने और सीबीआई जांच की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी 2024 को रद्द करने और पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं की शीर्ष अदालत की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने अपील की गई है। इस परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों द्वारा दायर याचिका में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य को परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की भी अपील की गई है।

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2024 को लेकर सवाल उठाने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों की सीबीआई से जांच के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा था।

नई याचिका में कहा गया है कि ''व्यापक अनियमितताओं और धांधली'' को देखते हुए पुन: परीक्षा से केवल योग्य छात्रों को चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश पाने में मदद मिलेगी। अधिवक्ता धीरज सिंह के माध्यम से दाखिल की गई याचिका में कहा गया, ''मीडिया की खबरों के अनुसार प्रश्नपत्र लीक होने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है ऐसे में परीक्षा की शुचिता पर सवाल खड़े होते हैं।''

इसमें कहा गया कि एनटीए द्वारा घोषित परिणाम से पता चला है कि 67 उम्मीदवारों को 720 में से 720 अंक मिले हैं। इसमें कहा गया, '' उपरोक्त अनियमितताओं की सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी या इस न्यायालय की देखरेख में समिति द्वारा गहन जांच की जानी आवश्यक है, ताकि बड़ी संख्या में मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके....।'' याचिका में अनुरोध किया गया है कि न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी को न्यायालय की निगरानी में ''शैक्षणिक पृष्ठभूमि की पड़ताल, फॉरेंसिक विश्लेषण और 620 तथा उससे अधिक अंक पाने वाले सभी उम्मीदवारों केसंबंध में जांच करने सहित परीक्षा बाद विश्लेषण'' का निर्देश दिया जाए।

केंद्र और एनटीए ने बृहस्पतिवार को शीर्ष अदालत को बताया था कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों के कृपांक रद्द कर दिए हैं। केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए दिए गए कृपांक को छोड़ने का विकल्प होगा।

यह परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें करीब 24 लाख उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया था। परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम चार जून को घोषित कर दिए गये।

लोकसभा चुनाव में मिली जीत सिर्फ शुरुआत, एमवीए विधानसभा चुनाव भी जीतेगा : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) को मिली ''जीत'' से उत्साहित शिवसेना(यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और विपक्षी गठबंधन राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव भी जीतेगा।

एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

ठाकरे दक्षिण मुंबई में एमवीए के घटक दलों के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने भी अपनी बात रखी। संसदीय चुनावों में एमवीए के शानदार प्रदर्शन के बाद यह पहली बार है जब संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया गया। चुनावों में एमवीए ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर जीत हासिल की थी

तीनों दलों ने इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए एक प्रारंभिक बैठक भी की। ठाकरे ने कहा कि राज्य के लोगों ने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी की अजेयता का मिथक कितना खोखला है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''महा विकास आघाडी के लिए लोकसभा चुनाव की जीत अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। चुनाव प्रचार के दौरान मैंने अपनी रैलियों में आए लोगों को 'देशभक्त' कहकर संबोधित किया था... सभी देशभक्त लोकतंत्र को बचाने के लिए एक साथ आए। उन्होंने कहा कि लोग जाग चुके हैं और संघर्ष अभी शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अब राजग सरकार है और यह देखना बाकी है कि यह कितने समय तक चलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एमवीए को अप्राकृतिक गठबंधन बताकर उसका मजाक उड़ाया था। उन्होंने पूछा कि क्या केंद्र में गठबंधन को अब प्राकृतिक या अप्राकृतिक कहा जाना चाहिए।

भाजपा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि विपक्ष ने चुनावों के दौरान फर्जी विमर्श फैलाया, ठाकरे ने कहा, आप इस विमर्श को क्या कहेंगे कि 'इंडिया' गठबंधन लोगों की संपत्ति छीनकर उसे अधिक बच्चों वाले लोगों में बांटने, मंगलसूत्र, भैंस छीनने और पानी के कनेक्शन काटने की योजना बना रहा है?

कुछ भाजपा नेताओं के इस कटाक्ष पर कि उनकी अगुवाई वाली शिवसेना को मुसलमानों के वोट तो मिले, लेकिन मराठी भाषियों के नहीं, जो इसका पारंपरिक समर्थन आधार है, ठाकरे ने कहा कि सभी धर्मों के देशभक्त लोगों ने विपक्षी गठबंधन को वोट दिया और उनमें मुसलमान और मराठी भाषी दोनों शामिल थे। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार और विशेषकर फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र (जहां अयोध्या स्थित है) में हार का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि लोकसभा परिणामों ने भगवान राम को भाजपा-मुक्त बना दिया है।

सरकार सुनिश्चित करे कि किसी क्षेत्र में कुछ कॉरपोरेट समूहों का एकाधिकार न हो : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कॉरपोरेट समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनी रहे और किसी भी क्षेत्र में किसी एक समूह का एकाधिकार स्थापित नहीं हो तथा अधिग्रहण स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से किया जाए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह सुनिश्चत करना भी जरूरी है कि सत्ता तक पहुंच के चलते किसी को अनुचित लाभ नहीं मिले।

उनकी यह टिप्पणी अडाणी समूह द्वारा दक्षिण भारत में सीमेंट क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करते हुए 'पेन्ना सीमेंट्स' का अधिग्रहण किए जाने के बाद आई है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आप क्रोनोलॉजी समझिए। सितंबर 2022 में अडाणी ने अंबुजा सीमेंट और एसीसी का अधिग्रहण किया, जिससे वह देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई। अगस्त 2023 में अडाणी ने सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण किया। जून 2024 में अडाणी ने 'पेन्ना सीमेंट्स' का अधिग्रहण किया।'' उन्होंने रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य का हवाला देते हुए कहा कि प्रसिद्ध वित्तीय अर्थशास्त्री ने इस बात को पुष्ट किया था कि अडाणी सहित पांच बड़े समूह सीमेंट क्षेत्र सहित 40 क्षेत्रों में एकाधिकार स्थापित कर रहे हैं।

पंजाब में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया : जाखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा पंजाब में अपने प्रदर्शन की समीक्षा किये जाने के बीच, प्रदेश इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने आम चुनाव में ''बेहतर'' प्रदर्शन किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ''बेहतर ही काफी नहीं है।'' उन्होंने भाजपा द्वारा गुरदासपुर, अमृतसर और होशियारपुर की अपनी पारंपरिक लोकसभा सीट पर हार को लेकर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे।भाजपा की पंजाब इकाई ने शनिवार को पार्टी उम्मीदवारों, पदाधिकारियों और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ, हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बैठकें कीं।पंजाब में 2024 के आम चुनाव के दौरान भाजपा 13 लोकसभा सीट में से एक भी सीट नहीं जीत पायी। हालांकि, 2019 में 9.63 प्रतिशत की तुलना में भाजपा की वोट हिस्सेदारी दोगुना होकर 18.56 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष जाखड़ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ''हमने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन ही काफी नहीं है। हमें सफल होना है।''इस अवसर पर केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे।जाखड़ ने कहा कि चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करना भाजपा का लक्ष्य नहीं था। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य पंजाब में भाजपा को सफल बनाना था।''

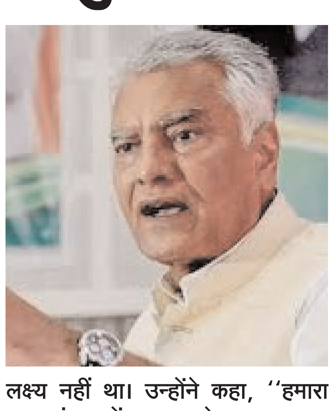

हालांकि, उन्होंने चुनाव में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रयासों के लिए उनका आभार जताया। जाखड़ ने कहा, ''हमें सफलता नहीं मिली, लेकिन लोगों ने भाजपा को अपार समर्थन दिया।''गुरदासपुर, अमृतसर और होशियारपुर की अपनी पारंपरिक सीट पर भाजपा की हार के बारे में जाखड़ ने कहा कि पार्टी यह पता लगाएगी कि कमियां कहां रहीं।जाखड़ ने कांग्रेस और आप पर निशाना साधते हुए उन पर 'मिलीभगत' का आरोप लगाया।वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए जाखड़ ने कहा कि भाजपा को पंजाब में विपक्ष की भूमिका निभानी होगी।एक सवाल के जवाब में जाखड़ ने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान 10 जुलाई को जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के मद्देनजर कुछ दिनों के लिए जालंधर में डेरा डालेंगे।

जाखड़ ने कहा, ''मुख्यमंत्री अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने नहीं जा रहे हैं। वह अपना मुख्यमंत्री पद बचाने के लिए वहां जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि बिट्टू पंजाब के ज्वलंत मुद्दों को केंद्र के समक्ष उठाएंगे ताकि उनका समाधान हो सके।

बिट्टू लुधियाना सीट से चुनाव हार गए।इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) तथा विपक्षी दल भाजपा और शिरोमणि अकाली दल को झटका देते हुए पंजाब में 13 लोकसभा सीट में से सात पर जीत हासिल की। राज्य में दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की।केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में भाजपा द्वारा बिट्टू को मंत्री पद दिए जाने का जिक्र करते हुए जाखड़ ने कहा कि यह पार्टी का पंजाब पर ध्यान दिये जाने को दर्शाता है।'आप' ने तीन सीट पर जीत दर्ज की, जबकि शिरोमणि अकाली दल केवल एक सीट जीत सकी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी और बोम्मई ने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा चुनाव में निर्वाचित हुए जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बसवराज बोम्मई ने शनिवार को राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुमारस्वामी और बोम्मई ने विधानसभा अध्यक्ष यू.टी खादर को यहां उनके कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंपा। कुमारस्वामी चन्नापटना और बोम्मई शिग्गांव विधानसभा सीट से विधायक थे।

मंडया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए कुमारस्वामी अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री हैं, जबकि बोम्मई हावेरी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। संबंधित दोनों विधानसभा सीट रिक्त होने के बाद निर्वाचन आयोग को अब इन सीट पर उपचुनाव की घोषणा करनी होगी।

जीवन में सफलता के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है : राज्यपाल थावरचंद

मेंगलूरु विश्वविद्यालय का 42वां दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंगलूरु। राज्यपाल थावरचन्द गेहलोत ने कहा कि यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम आधुनिक ज्ञान को मूल्यों के साथ जोड़कर शिक्षा प्रणाली विकसित करें, जो न केवल दुनिया को एक नई दिशा देगी बल्कि पूरी मानव जाति को लाभ पहुंचाएगी। मेंगलूरु यूनिवर्सिटी के 42वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की सफलता में शिक्षा अहम भूमिका निभाती है, शिक्षा जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है. शिक्षा कौशल को बढ़ाती है. इसके माध्यम से व्यक्ति रुचि के क्षेत्र में कुशल बनकर बड़ी सफलता हासिल कर सकता है। आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसे और मजबूत करने की जरूरत है तथा इस संबंध में हमारे सक्रिय प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में देश को दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिए हमें सक्रिय प्रयास करने होंगे।

उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में हमारा देश भारत सोने की चिड़िया और विश्व गुरु के नाम से जाना जाता था। इसे फिर से हासिल करने के लिए हमें अपने युवाओं के कौशल, प्रतिभा और ऊर्जा को मिलाकर सहयोगात्मक प्रयास करने की जरूरत है और इसमें युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मेंगलूरु विश्वविद्यालय ने इस देश को कई वैज्ञानिक, दार्शनिक, राजनेता और खिलाड़ी दिए हैं जिन्होंने न केवल कर्नाटक बल्कि देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने ई-गवर्नेंस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। दीक्षांत समारोह में समाज और देश के कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए उपलब्धि हासिल करने वालों को मेधावी उपाधि प्रदान की गई। मुझे आशा है कि इन उपलब्धि हासिल करने वालों की सेवा जारी रहेगी और इस विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाले प्रत्येक छात्र से देश के विकास में भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. पी.एल. धर्मा आदि मौजूद थे।

कर्नाटक सरकार ने ईंधन पर बिक्री कर बढ़ाया, पेट्रोल-डीजल होगा महंगा

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ईंधन पर बिक्री कर बढ़ा दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य में पेट्रोल अब तीन रुपये और डीजल 3.5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो जाएगा। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने पेट्रोल पर बिक्री कर में 3.92 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, डीजल पर 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 14.34 से बढ़कर 18.44 प्रतिशत हो गई है।

अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी। यह फैसला लोकसभा चुनाव नतीजों के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें राजग को कर्नाटक की 28 में से 19 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 17 और जद(एस) ने दो सीटें जीतीं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीटें जीती हैं।

यह कदम मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा राज्य के राजस्व सृजन और राजकोषीय स्थिति की समीक्षा के बाद उठाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की सेमीकंडक्टर संबंधी पहल को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेमीकंडक्टर संबंधी पहल की सराहना करते हुए केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि वह अपने मंत्रालय के माध्यम से इसे पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। जद(एस) नेता की यह टिप्पणी उनके उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका स्थित सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी को गुजरात में प्रत्येक रोजगार सृजन के लिए 3.2 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलने की संभावना के बारे में कथित तौर पर सवाल उठाए थे।

कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सेमीकंडक्टर एक रणनीतिक उद्योग है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल विनिर्माण के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। ये दोनों क्षेत्र बहुत सारे रोजगार पैदा करते हैं। मैं प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा की गई सेमीकंडक्टर से संबंधित पहल की बहुत सराहना करता हूं और अपने मंत्रालय के माध्यम से उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करूंगा। बाद में, संवाददाताओं को यहां संबोधित करते हुए जद (एस) नेता ने देश में निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ अधिक नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने मुझे इतना बड़ा विभाग क्यों दिया है? उन्हें मुझ पर इतना भरोसा क्यों है? यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, जो प्रधानमंत्री ने मुझे दी है। मेरा काम बड़ी संख्या में निवेशकों को लाना है। सिर्फ निवेशकों को लाना ही नहीं, बल्कि हमें ज्यादा से ज्यादा नौकरियों का सृजन भी करना है। अधिक से अधिक नौकरियों का सृजन करके मुझे प्रधानमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरना है।''

कर्नाटक के भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका की सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी माइक्रोन' को गुजरात में प्रत्येक रोजगार सृजन के लिए दी जाने वाली सब्सिडी को ''अनुचित'' करार दिया और कहा कि इस मामले पर कुमारस्वामी का सवाल उठाना उचित है। पाटिल ने कहा, यदि यह गुजरात पर लागू है, तो रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अन्य राज्यों के लिए भी यही फार्मूला अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपनी यह राय व्यक्त की और केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी की टिप्पणी का समर्थन किया। पाटिल ने यह भी कहा कि यदि किसी कंपनी को इतना प्रोत्साहन दिया जाता है, तो उसे सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) माना जा सकता है।

नीट को रद्द किया जाए : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को केंद्र से राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) रद्द करने और राज्यों को अपनी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने की अनुमति देने का आग्रह किया। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, नीट परीक्षा में कदाचार का मामला गंभीर है। यह लाखों छात्रों के भविष्य का सवाल है। केंद्र को नीट को खत्म कर देना चाहिए और राज्यों को अपनी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने की अनुमति देनी चाहिए। देश भर के छात्र राज्यों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग ले सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''कर्नाटक के छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है। कर्नाटक ने कॉलेज तो बनाए हैं, लेकिन इसका लाभ उत्तर भारत के छात्रों को मिल रहा है और राज्य के छात्र वंचित हो रहे हैं। हमें इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। केंद्र को नीट परीक्षा में हुए कदाचार की भी जांच करानी चाहिए।''

इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने नीट परीक्षा के बारे में कहा कि कड़ी मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा, ...इसकी जांच होनी चाहिए और फिर से परीक्षा होनी चाहिए। एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) ने परीक्षाएं ठीक से नहीं करवाई हैं। कृपांक देना अच्छी परंपरा नहीं है, कृपांक देकर किसी को उत्तीर्ण नहीं किया जाना चाहिए।'' मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कदाचार और अंक बढ़ाने के आरोपों को लेकर एनटीए आलोचनाओं का सामना कर रहा है।

रेणुकास्वामी हत्या मामला

अभिनेता दर्शन और अन्य की पुलिस हिरासत पांच और दिन बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी कन्नड अभिनेता दर्शन थुगुदीप, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और 11 अन्य की पुलिस हिरासत अवधि यहां की एक अदालत ने पांच और दिन के लिए बढ़ा दी। उन्हें अदालत में पेश किया गया, क्योंकि उनकी छह दिन की पुलिस हिरासत रविवार को समाप्त हो रही है। रविवार और सोमवार (बकरीद पर सार्वजनिक अवकाश) को चूंकि अदालत बंद रहेगी, इसलिए पुलिस ने उन्हें आज न्यायाधीश विश्वनाथ सी गौडर के समक्ष पेश किया। इसके साथ ही दर्शन, गौड़ा और अन्य 20 जून तक पुलिस हिरासत में रहेंगे।

दर्शन और अन्य के वकीलों ने अदालत से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। हालांकि, जांच दल ने अदालत से अनुरोध किया कि महत्वपूर्ण साक्ष्य और मृतक को प्रताड़ित करने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण बरामद किए जाने की आवश्यकता है, इसलिए पुलिस हिरासत बढ़ाई जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद 21वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) अदालत ने पुलिस हिरासत मंजूर कर ली। 'चैलेंजिंग स्टार' के नाम से मशहूर दर्शन और उनके 12 करीबी सहयोगियों को अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर गौड़ा नामक एक अभिनेत्री के सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी की थी और उस पर अभिनेता और उनकी पत्नी के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया था। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया और आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किए।

सूत्रों के अनुसार, चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को आर.आर. नगर के वारदात स्थल पर यह कहकर बुलाया था कि दर्शन उससे मिलना चाहता है। यहीं पर उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। शव 9 जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में स्थित नाले के पास पाया गया था।

कर्नाटक की नयी पर्यटन नीति से निवेश बढ़ेगा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए नयी पर्यटन नीति लाने की योजना बनाई जा रही है। फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और कर्नाटक पर्यटन विभाग के कार्यक्रम 'दक्षिण भारत उत्सव' में उन्होंने कहा, ''एक अच्छी पर्यटन नीति उद्योगपतियों और निवेश को आकर्षित करने में सक्षम होगी। जब उद्योगपति अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो सरकार को अधिक राजस्व मिलता है, लोगों के लिए अधिक नौकरियां पैदा होती हैं और कारोबार बढ़ता है।''

उन्होंने कहा, ''आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और तेलंगाना से कई प्रतिनिधि हैं। मैं उनसे यहां अपने अनुभव साझा करने का अनुरोध करता हूं। कर्नाटक अपनी 300 किलोमीटर लंबी तटरेखा को विकसित करना चाहता है। बेंगलूरु आईटी राजधानी होने के अलावा एक पर्यटन केंद्र भी बन सकता है। शिवकुमार ने कहा कि सरकार बेंगलूरु में एक स्काई डेक के लिए निविदाएं भी आमंत्रित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी की अधिक दर से पर्यटन उद्योग प्रभावित हो रहा है।

पूछताछ के लिए 17 जून को सीआईडी के समक्ष पेश होऊंगा : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पॉक्सो मामले का सामना कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा शनिवार को बेंगलूरु लौट आए और कहा कि वह पूछताछ के लिए 17 जून को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के समक्ष पेश होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सीआईडी को पॉक्सो मामले के संबंध में उन्हें गिरफ्तार करने से रोके जाने के एक दिन बाद लौटे। उच्च न्यायालय ने येडीयुरप्पा को मामले की जांच कर रही सीआईडी के समक्ष 17 जून को पेश होने भी का निर्देश दिया।

येडीयुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं पहले से तय कार्यक्रम के लिए दिल्ली गया था। मैंने पहले ही लिखित में सूचित कर दिया था कि मैं 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होऊंगा। उच्च न्यायालय ने सीआईडी को (गिरफ्तारी से) रोकने का आदेश दिया है। मैं सोमवार को जांच के लिए उपस्थित हो रहा हूं। उन्होंने कहा, अनावश्यक रूप से कुछ लोगों ने भ्रम पैदा करने की कोशिश की, मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता, हर कोई तथ्य जानता है।

उन्होंने कहा, ''साजिश में जो शामिल हैं, उन्हें लोग सबक सिखाएंगे।'' एक अदालत ने इस साल 14 मार्च को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में बृहस्पतिवार को येडीयुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। सीआईडी की विशेष जांच टीम ने 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध किया था, क्योंकि वह बुधवार को पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए थे। पुलिस के अनुसार, येडीयुरप्पा के खिलाफ 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत के आधार पर पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महिला ने आरोप लगाया कि येडीयुरप्पा ने इस साल दो फरवरी को बेंगलूरु के डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर मुलाकात के दौरान उसकी बेटी से छेड़छाड़ की। येडीयुरप्पा ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह कानूनी रूप से इस मामले को लड़ेंगे। उन्होंने अग्रिम जमानत और प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

कारगिल के वीरों को सलाम करने के लिए अनूठा मोटरसाइकिल अभियान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। डेल्टा 5 अभियान की दक्षिणी टीम 14 जून को बेंगलूरु पहुंची। इसे 12 जून को धनुषकोडी से हरी झंडी दिखाई गई थी। यह कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती मनाने के लिए भारतीय सेना का एक अखिल भारतीय मोटरसाइकिल अभियान है। यह प्रतिष्ठित टीम सैनिकों के अथक साहस और समर्पण को सलाम करने के लिए हिमाचल प्रदेश के मनाली, लद्दाख के सरचू और न्योमा से होते हुए सड़क मार्ग से लगभग 4,000 किलोमीटर की यात्रा करते हुए द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक एक महत्त्वपूर्ण अभियान पर निकली है। इसे एमईजी एंड सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर अजय सिंह ठाकुर द्वारा औपचारिक रूप से झंडी दिखाई गई। राष्ट्रीय सैन्य स्कूल के चाणक्य ऑडिटोरियम में बेंगलूरु और उसके आसपास रहने वाले कारगिल वीर नारियों और युद्ध नायकों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर सात कारगिल वीर नारियों और सात चक्र सीरीज पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस समारोह में ईएसएम, एनसीसी कैडेट और महत्त्वपूर्ण युवा समूह शामिल हुआ, जो अभियान की यात्रा में सहायता करने के लिए इकट्ठे हुए थे।

इस कार्यक्रम में टीम लीडर द्वारा प्रेरक व्याख्यान दिया गया। इसमें एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया। टीम को 16 जून को हैदराबाद के लिए रवाना किया जाएगा, जहां से वह द्रास तक अपनी यात्रा जारी रखेगी।

कभी प्रतिशोध की राजनीति नहीं की, भविष्य में भी नहीं करूंगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि उन्होंने और उनकी सरकार ने कभी भी ''प्रतिशोध की राजनीति'' नहीं की और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने भाजपा पर इस तरह के कृत्यों में लिप्त होने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येडीयुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले में गिरफ्तारी वारंट के बाद सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया था।

जद (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस नीत सरकार पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के परिवार को निशाना बनाने के बाद अब येडीयुरप्पा परिवार को निशाना बना रही है। सिद्दरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, जब उन्होंने (भाजपा) हमारे खिलाफ मामले दर्ज किये, तो क्या यह निशाना बनाना नहीं था? मेरे खिलाफ, डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री), राहुल गांधी (कांग्रेस नेता) के खिलाफ मामले दर्ज किये गये, इसे क्या कहा जाना चाहिए? उन्होंने राहुल गांधी की सदस्यता (लोकसभा की) रद्द कर दी थी। इसे क्या कहा जाना चाहिए?

उन्होंने कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया गया। इसे नफरत की राजनीति कहा जाना चाहिए या प्यार की राजनीति? ये वे लोग हैं जो प्रतिशोध की राजनीति करते हैं। हम कभी प्रतिशोध की राजनीति नहीं करेंगे...मैंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। मैं कल या आज राजनीति में नहीं आया हूं। यह (प्रतिशोध की राजनीति) भाजपा का काम है।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को येडीयुरप्पा के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के मामले में उन्हें गिरफ्तार करने से रोक दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता को 17 जून को मामले की जांच कर रही सीआईडी के समक्ष पेश होने का भी निर्देश दिया गया।

पुलिस के अनुसार, येडीयुरप्पा के खिलाफ 17 वर्षीय एक किशोरी की मां की शिकायत के आधार पर पॉक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। महिला ने आरोप लगाया कि येडीयुरप्पा ने इस साल 2 फरवरी को बेंगलूरु के डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक मुलाकात के दौरान उसकी बेटी से छेड़छाड़ की।

यह पूछे जाने पर कि क्या दक्षिण भारत से आठ सांसदों को केंद्रीय मंत्री बनाया जाना दक्षिण में भाजपा का विस्तार करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी योजना का हिस्सा है, सिद्दरामैया ने कहा कि वे चाहे जो भी करें, दक्षिण भारत के लोग भाजपा का समर्थन नहीं करेंगे, क्योंकि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का ''राजनीतिक मुखौटा'' है। सिद्दरामैया ने कहा, लोकसभा चुनावों में उन्हें उत्तर प्रदेश और मुंबई (महाराष्ट्र) में भी झटका लगा है।

महिला ने स्मृति लोप से पीड़ित बेटी की हत्या की, पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

बेंगलूरु। स्मृतिलोप (आटिस्टिक) से पीड़ित अपनी साढ़े तीन साल की बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या करने के बाद 35 वर्षीय एक महिला ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला की जुड़वा बेटियां थीं, दोनों ही स्मृतिलोप से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि एक में यह समस्या कुछ कम जबकि दूसरी बच्ची इससे अत्यधिक पीड़ित थी। बताया जा रहा है कि गंभीर स्मृतिलोप लक्षण वाली बेटी के भविष्य को लेकर चिंतित मां ने उसकी हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, महिला ने बृहस्पतिवार को अपनी पुत्री की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने सुब्रमण्य नगर पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि वह चिंतित थी कि उसकी पुत्री इस हालत में कैसे जीवन यापन करेगी और इसलिए उसने अपनी बेटी की हत्या करने का निर्णय लिया। उसने यह भी दावा किया कि वह पिछले कुछ महीनों से अवसाद में थी और हताशा के कारण उसने अपनी बेटी की हत्या कर दी। हत्या का मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार किया गया और अदालत से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

रेणुकास्वामी के परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया

बेंगलूरु। कर्नाटक फिल्म चैंबर आफ कॉमर्स (केएफसीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को रेणुकास्वामी के परिवार से मुलाकात की और उन्हें मुआवजे के रूप में पांच लाख रुपये दिये। चैलेंजिंग स्टार' के नाम से मशहूर अभिनेता दर्शन और उनके 12 करीबी सहयोगियों को अभिनेता के 33 वर्षीय प्रशंसक की हत्या के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया था।

केएफसीसी के अध्यक्ष एन एम सुरेश ने कहा, हम व्यक्तिगत रूप से अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने गए और परिवार को यह भी बताना चाहते थे कि रेणुकास्वामी के साथ जो कुछ हुआ उसके लिए फिल्म उद्योग को कितना खेद है।

RailTel Corporation of India Limited
(A Govt. of India Undertaking)
CIN No. L64202DL2000GOI107905

VACANCY NOTICE

No. RCIL/2024/P&A/02/SR Dt:14.06.2024
RailTel, Southern Region invites applications from eligible candidates for **"Engagement on Contractual Basis for Signaling & Ground Infra work for 4G-LTE Projects of RailTel"**. Detailed "Eligibility Criteria for Each Post given at Vacancy Notice" published at RailTel Website **www.railtelindia.com**. Addition/ Modification of Posts, Eligibility, If any will be updated at RailTel website only. Further, applicants are requested to check regular updates against this vacancy at RailTel website only.

Regional Office:1-10-39 to 44, 6A, 6th Floor, Gumidelli Towers, Begumpet Airport Road, Begumpet, Hyderabad – 500016

नई शिक्षा नीति विद्यार्थी केन्द्रित, प्राचीन भारतीय संस्कृति के साथ आधुनिकता का समावेश : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय का एकादश दीक्षांत समारोह शनिवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। उपमुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचन्द बैरवा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के लिए नव जीवन में प्रवेश का उत्सव है। यह वह अवसर है जब विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास में करने के लिए तैयार होता है।

मिश्र ने कहा कि शिक्षा की सार्थकता इसमें नहीं है कि उससे हम कोई पद, नौकरी या अन्य किसी तरह की भौतिक सफलता प्राप्त कर लें। शिक्षा की सार्थकता इसमें है कि हम रूढ़ियों से मुक्त होने की ओर अग्रसर हों। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज को रूढ़ियों से मुक्त कर वेदों का सहज, व्यावहारिक भाष्य करने का महती कार्य उन्होंने ही पहले पहल देश में किया था। वह व्यक्ति नहीं अपने आपमें संस्था थे। 'वेद की ओर वापस चलो' का नारा देते हुए उन्होंने राष्ट्र को रूढ़ियों और कुरीतियों से निकालकर आदर्श जीवन मूल्यों के जरिए आगे बढ़ने का शंखनाद किया। उनके जीवन दर्शन में उस नैतिक शिक्षा पर ही अधिक जोर दिया गया है।

महर्षि दयानंद सरस्वती के शिक्षा पर विचारों को आज के संदर्भों में सभी स्तरों पर अपनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के आलोक मे हम स्वामीजी के विचारों से पाठ्यक्रमों को इस तरह से नया रूप दें कि विद्यार्थी सर्वांगीण विकास की राहों पर तेजी से आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि देश की नई शिक्षा नीति पूरी तरह से विद्यार्थी केन्द्रित है। यह प्राचीन भारतीय ज्ञान के आलोक में से पाठ्यक्रमों के निर्माण पर जोर देती है जिससे विद्यार्थी हमारी संस्कृति से जुड़े एवं जीवन मूल्यों में आधुनिक विकास की ओर अग्रसर हो सके। इस नीति में कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। रोजगारोन्मुखी नवाचारों को अपनाने की बात है। ताकि विद्यार्थी अपने परिवेश को समझते हुए राष्ट्र को संपन्नता की ओर अग्रसर कर सकें।

उन्होंने ने कहा कि उभरती डिजिटलीकृत दुनिया में नए आविष्कारों और नवाचारों के साथ-साथ पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में असीमित वृद्धि की संभावना है। इस क्षेत्र मे लगभग पांच करोड़ नौकरियां उत्पन्न होने की संभावना जताई जा रही है। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय इस दिशा में ध्यान देते हुए से पाठ्यक्रम निर्मित करे जिससे आतिथ्य उद्योग मे हम बेहतर मानव संसाधन तैयार कर सकें।

मिश्र ने कहा कि यह समय हम-सबके लिए आजादी के अमृतकाल की ओर अग्रसर होने का है। युवा शक्ति भारत के भविष्य की उज्ज्वल राहों की संवाहक बनें। इसके लिए यह जरूरी है कि मेक इन इंडिया की दिशा में हम आगे बढें। से स्थानीय उत्पाद तैयार करने की ओर अग्रसर हों जो विश्वस्तर पर निर्यात हो सकें। हम शिक्षा के जरिए अपनी उच्चतम क्षमताओं का विकास करें।

उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं के संदर्भ में विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध का देश का उत्कृष्ट केन्द्र बनें। यहां से पाठ्यक्रमत तैयार हों जिससे युवाओं के लिए भविष्योन्मुख अधिकाधिक मार्ग प्रशस्त हो सकें। युवा रोजगार पाने की बजाय देने के लिए तैयार हो सकें। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीक्षांत भाषण में कहा कि 21वीं सदी का इमर्जिंग इंडिया न केवल आर्थिक और तकनीकी रूप से महाशक्ति बनना चाहता है, बल्कि विश्वगुरु के रूप में उभरने का संकल्प रखता है। इस ध्येय की प्राप्ति के लिए कुछ निश्चित मूल्यो का होना आवश्यक है।

सरिस्का को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के होंगे प्रयास : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर । केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि अलवर के सरिस्का को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और पर्यटन के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे। यादव ने आज यहां सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता में कहा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की है। अभियान के तहत एक पेड़ जरूर लगाए। अगर पांच साल तक उसे पेड़ को संभाल कर रखें तो निश्चित रूप से विकसित होगा और मां की याद भी स्थाई रूप से रहेगी।

उन्होंने कहा कि यहां अधिकारियों की बैठक में पेयजल संकट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अलवर में 6 करोड़ 30 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है जबकि 03 करोड़ लीटर पानी आपूर्ति हो रही है। अलवर में 340 नलकूप है जिनमें 140 टंकी के माध्यम से पानी सप्लाई हो रहा है जबकि दो 200 डायरेक्ट नलकूप हैं जहां पानी आपूर्ति हो रही है।

अलवर में 59 जोन हैं जिनमें अलग-अलग लेवल पर पानी सप्लाई हो रहा है और यहां पानी की समस्या का समाधान करने के लिए अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए गए हैं कि पानी की समस्या का समाधान किया जाए।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों से वार्ता कर कर भू गर्भ के पानी की स्थिति जानने के प्रयास किए गए हैं। यहां वाटर रिचार्ज और नलकूप की संख्या बढ़ाने पड़ेंगे। गर्मी के अवसर पर पानी को लेकर बैठक में 40 मसले सामने आये हैं जिसमें तीन प्रमुख रूप से हैं कि पानी की आपूर्ति किस तरीके से की जाए।

सरिस्का अभ्यारण क्षेत्र के आसपास अतिक्रमण और होटल के निर्माण को लेकर यादव ने कहा कि एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार सारा काम किया जाएगा। इको सेंसेटिव जोन का खाका तैयार किया जा रहा है और जल्दी इसको फाइनल किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि अतिक्रमण किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। भले ही वह नेताओं का हो या अधिकारियों का। उन्होंने कहा कि जब वह पिछली बार केंद्रीय मंत्री थे तो राजस्थान की कांग्रेस सरकार को सरिस्का को लेकर कई बार पत्र लिखे लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। नहीं तो अब तक इको सेंसेटिव जोन का खाकर तैयार हो जाता और फाइनल हो जाता। सरिस्का से गांवों के विस्थापन को लेकर उन्होंने कहा कि नए तरीके से विस्थापन का कार्य किया जाएगा और जो भी नया पैकेज होगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

एनसीआर में अलवर के शामिल होने पर आमजन को हो रहे नुकसान के संबंध में उन्होंने कहा , हर तरीके से अलवर का विकास किया जाएगा। सिलीसेढ़ से जयसमंद में पानी आने के बीच नहर में तीन विधायकों के फार्म हाउस और अधिकारियों के पास फार्म हाउस के बारे में उन्होंने तथ्यों के संज्ञान लेने और निश्चित रूप से कार्रवाई की जाने की बात कही।

ट्रक और बस की टक्कर में दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले के सेवर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक ट्रक और बस की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए । पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बस बयाना से भरतपुर की तरफ जा रही थी और ट्रक मथुरा की तरफ से आ रहा था, ट्रक ने सरसों अनुसंधान केंद्र के पास बस को सामने से टक्कर मारी और इसके बाद एक मकान में जा घुसा। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को उपचार के लिये भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान प्रताप सिंह (57) और हरभान (35) के रूप में की गई है। पुलिस ने बस और ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

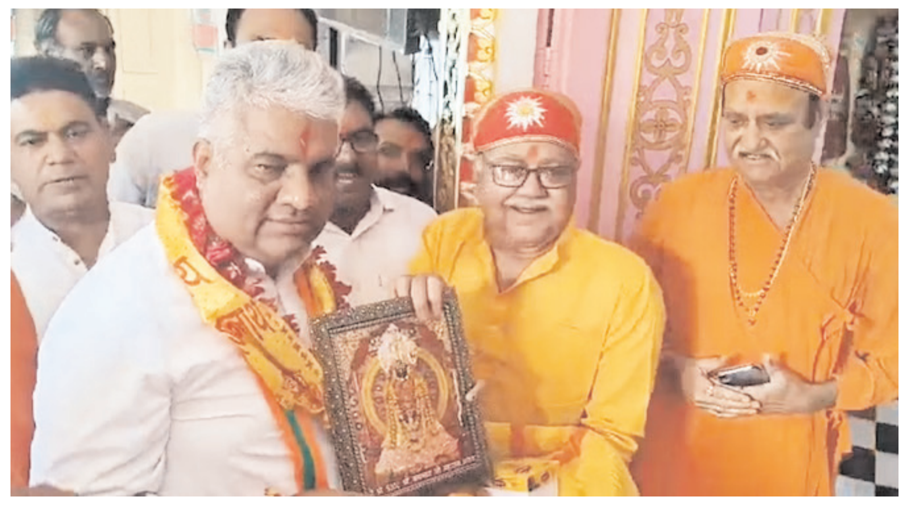

मंत्री बनने के बाद अलवर पहुंचे भूपेंद्र यादव, बाबा धाम में जाकर लगाई धोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय वन पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव आज सुबह अलवर पहुंचे। सर्वप्रथम उन्होंने भर्तृहरि बाबा धाम में जाकर धोक लगाई, वहीं शहर में आकर उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में चुनाव जीतने का मन्नत का नारियल बांधा था। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा मैं अलवर का ही हूं। मुझे अलवर के विकास के लिए कार्य करना है। आज पूरे दिन व्यस्त कार्यक्रम में से पूर्व देव दर्शन कर अलवर की खुशहाली की कामना की। मंदिर महंत द्वारा केंद्रीय मंत्री यादव को चांदी का श्रीफल भेंट करके सम्मान किया। यहां से निकलने के बाद अलवर के त्रिपोलिया महादेव मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। उसके बाद अलवर सांसद क्षेत्र के विभिन्न विधानसभाओं के लोगों से मुलाकात का कार्यक्रम है। जिले से जुड़ी समस्याओं पर होगी। वहीं भूपेंद्र यादव द्वारा पानी की समस्या के समाधान के लिए जिला कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक का कार्य योजना पर चर्चा का कार्यक्रम है।.

पूजा अर्चना

महेश नवमी के अवसर पर शनिवार को कोटा में आस्था के प्रमुख धाम नीलकंठ महादेव मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक कर देश की उन्नति और देशवासियों के कल्याण की कामना करते ओम बिरला।

हनुमानगढ से 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद

जयपुर। सुरक्षा बलों ने शनिवार को राजस्थान के अनूपगढ़ जिले में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए तस्करी कर लाई जा रही 12 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार हेरोइन की अनुमानित कीमत 60 करोड़ रुपये है। उसने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस ने जिले के अनूपगढ़ और समेजा कोठी थाना क्षेत्रों से छह-छह किलोग्राम वजन की हेरोइन की दो खेप बरामद की, इन्हें ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से तस्करी कर लाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि अनूपगढ़ थाना क्षेत्र में आज सुबह कैलाश चौकी के पास '13 के गांव' में ड्रोन की आवाज सुनने के बाद बीएसएफ के जवानों ने गोलियां चलाईं। संयुक्त तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों और पुलिस कर्मियों को छह किलोग्राम वजन के हेरोइन के दो पैकेट मिले। इस खेप की कीमत 30 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि समेजा कोठी थाना क्षेत्र में दूसरी घटना में स्थानीय लोगों ने ड्रोन की आवाज सुनी और पुलिस को सूचना दी और उस स्थान पर पहुंचे जहां तस्कर खेप लेने आए थे। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों और पुलिस दल को देखकर तस्करों ने गोलियां चला दीं और भागने में सफल रहे। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान 30 करोड़ रुपये मूल्य की छह किलोग्राम हेरोइन से भरे दो पैकेट बरामद किए गए।

विक्रम गुर्जर गिरोह से जुड़े दो बदमाश गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्य बल (एजीटीएफ) और मानसरोवर की स्थानीय पुलिस ने शनिवार को बहरोड़ जिले में सक्रिय विक्रम गुर्जर उर्फ लादेन गिरोह से जुड़े दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से कई अवैध हथियार भी बरामद किए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश जयपुर में किसी अप्रिय वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, उससे पहले ही एजीटीएफ ने इन्हें दबोच लिया। पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (गैंगस्टर रोधी कार्य बल एवं अपराध) दिनेश एम एन ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश राहुल बड़ावास उर्फ अटैक (29) एवं विशाल यादव उर्फ विक्की (33) को जयपुर में गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि जयपुर में पकड़े गए यह दोनों बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। इस संबंध में थाना पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि बदमाश राहुल बड़ावास के पास से एक पिस्तौल, दो देशी पिस्तौल, दो कारतूस, एक मैगजीन व औरा कार तथा विशाल यादव उर्फ विक्की के पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन, एक कारतूस व अर्टिगा कार बरामद की गई हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों बदमाशों के बारे में पुलिस टीम के प्रभारी निरीक्षक को खुफिया जानकारी मिली थी जिसे पुख्ता किया गया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से एजीटीएफ की टीम ने मानसरोवर थाना क्षेत्र से उन्हें अवैध हथयारों सहित पकड़ा। उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश लूट, डकैती, मारपीट, फिरौती, जानलेवा हमला, गोलीबारी इत्यादि की घटनाओं में शामिल रहे हैं। इनके विरुद्ध विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अवैध हथियारों के संबंध में पूछताछ में सामने आया कि इन दोनों बदमाशों को लॉरेंस बिश्नोई व विक्रम गुर्जर उर्फ लादेन के गुर्गे हरि बॉक्सर ने मध्य प्रदेश के खंडवा में देशनोक के एक व्यक्ति से व्हाट्सएप पर कॉल कर हथियार दिलवाए थे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सेवा नियमों संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भर्ती प्रक्रियाओं को सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी संवर्ग के सेवा नियमों संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी है। शर्मा ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (राजपत्रित) सेवा नियम, 2024 एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2024 का अनुमोदन किया है। उन्होंने साथ ही राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवाएं (सामान्य पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है।

एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री के इस निर्णय से बोर्ड के सेवा नियमों के निर्धारण की राह खुलने के साथ ही बोर्ड के कार्मिक संवर्ग के चयन में सुगमता आएगी। कर्मचारी चयन बोर्ड के सशक्त एवं स्वतंत्र होने से पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के गठित होने के साथ ही पिछले 10 वर्षों में बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी संवर्ग के लिए सेवा नियम नहीं बनाये गए, जिससे पदों की स्वीकृति, भर्ती, पदोन्नति, वरिष्ठता एवं वेतन भत्तों के निर्धारण आदि के कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के वाहन चालकों के पदनाम में एकरूपता लाते हुए शैक्षणिक योग्यता के सेवा नियमों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संबंध में वाहन चालक पद के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता को आठवीं कक्षा से बढ़ाते हुए 10वीं कक्षा या समकक्ष किए जाने का निर्णय लिया गया है।

शर्मा के इस निर्णय से भविष्य में वाहन चालकों की भर्ती के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा एवं वाहन चलाने की क्षमता की जांच परीक्षा का आयोजन किया जा सकेगा। इससे सुगम एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए कुशल वाहन चालकों का चयन किया जा सकेगा।

बिजली-पानी की निर्बाध आपूर्ति करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः सुमित गोदारा

बीकानेर। खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने शुक्रवार को बम्बलू और गुसाईसर छोटा में ट्रांसफार्मर क्षमता वर्धन के कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर गोदारा ने कहा कि पानी, बिजली आपूर्ति से जुड़ी किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में क्षेत्र के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करवाने के लिए इन 33 केवी सब स्टेशन्स में ट्रांसफार्मर का क्षमता वर्धन कार्य करवाया गया है। इन स्टेशनों का क्षमता वर्धन होने से क्षेत्र के किसानों को वोल्टेज उतार चढ़ाव की समस्या से निजात मिलेगी।

गोदारा ने बताया कि गुसाईंसर द्वितीय 33 केवी सब स्टेशन पर 5 एमवीए तथा बम्बलू में 5 एमवीए तथा 3.15 एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर लगाकर क्षमता वर्धन किया गया है। उन्होंने कहाकि ग्रामीण अंचल के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने की दिशा में हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या वाले गांवों में ट्यूबवेल निर्माण कार्य हो, सड़क निर्माण या शिक्षा अथवा चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सहित सभी विषयों पर रणनीतिक रूप से कार्य किया जा रहा है। आमजन की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ निस्तारित करवाया जाएगा।

विपक्ष नहीं चाहता देश का अन्नदाता सर्व संपन्न बने : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसान की पिछले 10 साल में जितनी सुध ली गई है, वह पिछले 70 साल में नहीं ली गई। मोदी सरकार ने किसानों की आय दुगुनी करने की दिशा में कई निर्णय लिए, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि देश का किसान सम्पन्न हो, किसानों के हित में मोदी सरकार तीन कानून लेकर आई थी, लेकिन विपक्ष ने उन कानूनों का विरोध किया। चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की भलाई के लिए हर दिन काम कर रही है, लेकिन विपक्ष किसानों को इस दबी कुचली व्यवस्था में रखना चाहता है, ताकि किसान आगे नहीं बढ़े उन्होंने कहा कि किसानों को उपज का पूरा मूल्य देने के लिए पिछले 10 साल में समर्थन मूल्य पर भारी बढ़ोतरी की है, जबकि विपक्ष ने 70 साल में किसानों को उपज का पूरा मूल्य दिया होता, तो अब देश का अन्नदाता सर्व संपन्न होता।

केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार भाजपा मुख्यालय पहुंचे चौधरी का किसान मोर्चा की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए चौधरी ने कहा कि मंत्रालय ने 100 दिन की कार्य योजना तैयार की है, जिसमें किसानों की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 4 दिन से मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की है, मोदी का स्पष्ट निर्देश है कि किसानों की किसी की तरह की हित में काम किया जाए। किसान सर्व संपन्न बने, देश का अन्न दाता संपन्न होगा, तो देश संपन्न होगा।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं को मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण, भजनलाल ने दी मंजूरी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने संकल्प-पत्र में किए गए एक और महत्वपूर्ण वादे को पूरा किया है।

शर्मा ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लिए राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से राज्य में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर होकर और सशक्त बन सकेंगी।

11 सीटों पर करारी हार का मंथन, बीजेपी के पार्टी नेता ले रहे लोकसभावार फीडबैक

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में लोकसभा चुनाव में हुई करारी हार के बाद प्रदेश भाजपा में महामंथन शुरू हो गया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को बैठक में चुनाव में करारी हार को लेकर प्रदेश के प्रमुख नेता पदाधिकारियों के साथ आत्म चिंतन कर रहे है। दो दिन के मंथन के बाद पार्टी आलाकमान को रिपोर्ट भेजी जाएगी। शुरूआत में टोंक सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट को लेकर मंथन हुआ।

लोकसभा चुनाव में मिशन 25 के लक्ष्य को लेकर चल रही भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी को 25 में से महज 14 सीटों पर संतोष करना पड़ा। पिछले दो चुनाव से 25 की 25 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर रही बीजेपी इस बार के अपने परिणामों को लेकर ज्यादा चिंतित है। केंद्रीय नेतृत्व ने हार के कारणों की रिपोर्ट मांगी तो प्रदेश के बड़े नेता हार के कारणों को लेकर मंथन करने में जुट गए है। केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट भेजनी है ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की अध्यक्षता मे आज से मंथन की बैठकों का दौर शुरू हुआ। जिसमे बाद रिपोर्ट तैयार होगी। भाजपा मुख्यालय में शुरू हुई इस वैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के साथ लोकसभा चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, सह प्रभारी विजया रहाटकर और प्रवेश वर्मा, राष्ट्रीय संगठक वी सतीश मौजूद है.बैठक में लोकसभा सीट से जिला अध्यक्ष,लोकसभा प्रभारी ,सांसद प्रत्याशी सहित तमाम पदाधिकारी से चर्चा की जा रही है।

एक-एक लोकसभा वार पूरा फीडबैक लिया जाएगा. इस बार लोकसभा चुनाव में भजपं को 11 लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था।

भूस्खलन से प्रभावित गांव में पहुंचे सिक्किम के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग शनिवार को नामची जिले में भूस्खलन की चपेट में आए गांव मझुआ पहुंचे और प्रभावित लोगों से बातचीत की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यांगांग हेलीपैड पर पर्यटन केंद्र में स्थापित राहत शिविर में प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत की।

इस सप्ताह की शुरुआत में गांव में भूस्खलन होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई घर नष्ट हो गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के घर भूस्खलन के कारण पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं, उन्हें आधा एकड़ खेती योग्य जमीन दी जायेगी। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि के रूप में पांच लाख रुपये के चेक भी दिए। तमांग ने सड़क और पुल विभाग को मझुआ गांव में जल्द से जल्द सड़क संपर्क बहाल करने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को स्थिति सामान्य होने तक राज्य सरकार से सभी आवश्यक सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने सबसे अधिक प्रभावित कई क्षेत्रों का दौरा किया और व्यक्तिगत रूप से प्रभावित लोगों से बातचीत की। तमांग ने कहा कि मझुआ, यांगांग की उनकी यात्रा पीड़ितों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने और दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए आधार तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तरी सिक्किम से सड़क संपर्क बहाल करने का कार्य जारी : बीआरओ

गंगटोक/भाषा। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी सिक्किम से सड़क संपर्क बहाल करने के लिए काफी संख्या में श्रमिकों और उपकरणों को लगाया है।

पर्वतीय राज्य में भारी बारिश और भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। साथ ही, संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और कई क्षेत्रों में सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा बिजली, खाद्य आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क बाधित हो गया।

डिकचू-सांकलांग-टूंग, मंगन-सांकलांग, सिंगथम-रंगरांग और रंगरांग-टूंग सहित विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन हुआ। इसके अलावा, सांकलांग केबल पुल टूट जाने के कारण उत्तरी सिक्किम से सड़क संपर्क टूट गया, जिससे लगभग 1,200-1,500 पर्यटक फंस गए। सीमा सड़क संगठन ने एक बयान में कहा, ''बीआरओ ने स्वास्तिक परियोजना के तहत उत्तरी सिक्किम से सड़क संपर्क बहाल करने के लिए काफी संख्या में श्रमिक और मशीनरी लगाई है।''

बीआरओ ने बयान में कहा कि आवागमन बहाल करने के लिए डिकचू-सांकलांग-टूंग रोड पर मलबा हटाने में मशीन का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही, टूंग से सांकलांग की ओर सड़क के 10 किलोमीटर हिस्से से मलबा हटा दिया गया है।

बीआरओ ने नगा की ओर जाने वाले गंगटोक रोड पर मलबा हटाने के लिए मशीनरी लगाई है। उसने बताया कि नगा और लंथाखोला के बीच आवागमन बहाल कर दिया गया है। बीआरओ ने बताया कि हाल ही में टूंग में बनाए गए पुल के जरिये उत्तरी सिक्किम से सड़क संपर्क बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भाजपा सरकार में सूदखोरों से परेशान लोग आत्महत्या करने पर विवश : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इटावा में एक युवा किसान के आत्महत्या करने की घटना को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और अन्य लोग सूदखोरों से परेशान हैं और त्रस्त होकर आत्महत्या करने पर विवश हैं।

सपा मुख्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा, '' राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की गलत नीतियों से किसान और नौजवान बेहाल हैं। किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। खेती का लागत मूल्य लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण किसान कर्ज में डूबता जा रहा है।''

यादव ने आरोप लगाया कि ''भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और अन्य लोग सूदखोरों से परेशान हैं। सूदखोरों से त्रस्त होकर लोग आत्महत्या करने पर विवश हैं।''

सपा प्रमुख ने दावा किया कि ''इटावा में साहूकारों के हर दिन के तगादा और प्रताड़ना से परेशान एक युवा किसान ने आत्महत्या कर ली।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार के दस साल के कार्यकाल में महंगाई और कर्ज से परेशान होकर एक लाख से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। भाजपा सरकार की नीतियां गरीब और किसान विरोधी हैं तथा पूंजीपतियों के लिए बनायी गयी है।''

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पूरे प्रदेश में सूदखोरों का आतंक है। बलिया, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, इटावा, शाहजहांपुर, हर जगह सूदखोरों ने लोगों का जीना मुश्किल किया हुआ है।

इटावा जिले के चौविया थाना क्षेत्र में कथित तौर पर कर्ज अदा न कर पाने से परेशान एक किसान ने अपने खेत में एक पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

चौविया थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मंसूर अहमद ने बताया कि थानाक्षेत्र के गांव चौविया में बृहस्पतिवार रात्रि विकास जाटव (30) ने अपने खेत में पेड़ से फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में गिरा टेम्पो-ट्रैवलर, 12 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैतोली गांव के समीप शनिवार को एक टेम्पो-ट्रैवलर के अलकनंदा नदी में गिर जाने से उसमें सवार 12 पर्यटकों की मौत हो गयी तथा 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से 500 मीटर नीचे अलकनंदा नदी के किनारे तक जा गिरा। दुर्घटना में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो अन्य ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

एसडीआरएफ के मुताबिक, दुर्घटनास्थल पर गहरी खाई होने के कारण अत्यधिक विषम परिस्थितियों में कड़ी मशक्कत करते हुए बचाव और राहत दल के कर्मी नीचे पहुंचे तथा शवों एवं घायलों को बाहर निकाला। दुर्घटना के दौरान एक महिला गाड़ी से छिटककर लगभग 80 मीटर नीचे झाड़ियों में अटक गयी थी। एसडीआरएफ के जवानों ने उसे सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया।

गढ़वाल के पुलिस महानिरीक्षक के एस नगन्याल ने बताया कि हादसे का शिकार हुए पर्यटक चोपता घूमने जा रहे थे, लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे के समय वाहन में कुल 26 लोग सवार थे और उनमें से ज्यादातर दिल्ली के रहने वाले थे।

ओडिशा के सुंदरगढ़ में चर्च में लूट, बदमाशों ने दो पादरी पर किया हमला

राउरकेला/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में अज्ञात बदमाशों ने दो पादरियों पर हमला किया और एक कैथोलिक चर्च से 10 लाख रुपये लूट लिए। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (राउरकेला जोन 3) निर्मल चंद्र महापात्रा ने कहा, ''घटना शुक्रवार देर रात राउरकेला शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर झाड़बहाल इलाके में हुई। अज्ञात बदमाशों ने दो फादर पर हमला किया और पैसे लूट लिये।'' मुख्य द्वार को तोड़कर बदमाश पादरी के कमरे में घुस गए। घायल पिताओं की पहचान अलोइस जालक्सो (72) और निरियल बिलुंग (52) के रूप में हुई है। घायल पादरियों को राउरकेला सरकारी अस्पताल (आरजीएच) में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। आरजीएच निदेशक डॉ. गणेश दाश ने बताया कि दोनों फादर की हालत स्थिर बतायी गई है।

एसडीपीओ ने बताया कि लूटी गई नकदी की राशि 10 लाख रुपये थी और यह नकदी छात्रावास और अन्य स्थानों से एकत्र की गई थी। उन्होंने बताया कि 10-12 लोगों ने फादर पर लाठी और लोहे की छड़ से हमला किया। फादर जालक्सो ने कहा, जब बदमाश ग्रिल का दरवाज़ा तोड़कर चर्च में घुसे, तब हम सो रहे थे।

अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा चुनाव परिणामों पर कहा

भाजपा का अहंकार और अभिमान मिट्टी में मिला दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता अभिषेक बनर्जी ने हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव को 'विरोध, प्रतिरोध और बदले' का चुनाव करार देते हुए कहा कि चुनाव परिणामों ने ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अहंकार और अभिमान को मिट्टी में मिला दिया है''।

अभिषेक ने भाजपा पर 'केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने, न्यायपालिका को भ्रष्ट बनाने, मीडिया पर अंकुश लगाने और सत्ता में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग के काम में दखल देने' का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से मुलाकात करने के बाद शुक्रवार देर रात फेसबुक पर की गई पोस्ट में उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव इतिहास में 'जनता की दहाड़' के रूप में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। डायमंड हार्बर लोकसभा सीट पर सात लाख मतों के अंतर से जीते तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, ''जनता की दहाड़ इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी। सही मायनों में यह लोकसभा चुनाव प्रतिरोध, बदले और विरोध का चुनाव रहा है। भाजपा का अहंकार और अभिमान चूर-चूर हो गया है तथा रीढ़ की हड्डी टूट गई है।''

यद्यपि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटा है, लेकिन पार्टी को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं हो सका और उसे सत्ता में बने रहने के लिए अपने प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल (यूनाइटेड) के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ा।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल ने राज्य की 42 सीट में से 29 सीट पर जीत हासिल की, जबकि 2019 के चुनाव में पार्टी केवल 22 सीट ही जीत पाई थी। इस चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए तृणमूल के शीर्ष नेता अभिषेक ने कहा, ''चार जून को जारी लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद पश्चिम बंगाल और देश ने एक नई सुबह देखी।''

नीट यूजी परीक्षा रद्द की जाए और मामले की सीबीआई जांच हो : हनुमान बेनीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांसद ने कहा कि जिस प्रकार इस परीक्षा से जुड़े पहलू सामने आ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है।

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यशैली पर शनिवार को सवालिया निशान लगाते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को रद्द करने और इसकी सीबीआई जांच की मांग की।

बेनीवाल ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा पदभार संभालते ही एनटीए को क्लीन चिट देना और 24 घंटे बाद ही एजेंसी और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने से जुड़ी बात कहने से यह साफ है कि केंद्र सरकार इस मामले में खुद की नाकामी को लगातार छुपाने का प्रयास कर रही है।

सांसद ने कहा कि जिस प्रकार इस परीक्षा से जुड़े पहलू सामने आ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है। उन्होंने एक बयान में आरोप लगाया कि यह स्पष्ट है कि इसमें बड़ा घोटाला हुआ है, क्योंकि कई अभ्यर्थियों को मनचाहा परीक्षा केंद्र दिया गया, बिहार में पेपर लीक हुआ और कृपांक दिए गए।

बेनीवाल ने अखबारों में छपी खबरों का हवाला देते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं पर एनटीए से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि केंद्र को खुद आगे बढ़कर पूरे मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश करनी चाहिए और परीक्षा को तुरंत रद्द करना चाहिए।

लोगों के समग्र, समावेशी विकास के लिए काम करें : के टी परनाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (अवकाशप्राप्त) के टी परनाइक ने शनिवार को नवनिर्वाचित विधायकों से राज्य के सभी लोगों के समग्र और समावेशी विकास के लिए ईमानदारी से अथक प्रयास करने का आह्वान किया।

विधानसभा में विधायकों को संबोधित करते हुए परनाइक ने कहा कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि कोई भी पीछे न छूटे। उन्होंने कहा, हमारे नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करना और सभी के लिए अवसर पैदा करना, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, आपका कर्तव्य है।

परनाइक ने कहा कि लोगों द्वारा दिया गया जनादेश निरंतर विकास, नीति स्थिरता और सुशासन की स्पष्ट इच्छा को दर्शाता है, क्योंकि मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में काम कर रही 'टीम अरुणाचल' राज्य की विकास यात्रा को महत्वपूर्ण रूप से बदलने में सक्षम रही है। उन्होंने कहा, कैबिनेट की पहली बैठक में सरकार ने 24 नागरिक-केंद्रित फैसलों की पहचान की है, जो अगले 100 दिनों में आकार लेंगे।

यह इंगित करते हुए कि सार्वजनिक सेवा के लिए त्याग, समर्पण और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है, राज्यपाल ने विश्वास जताया कि नए विधायक ईमानदारी और अथक रूप से इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाएंगे।

भारत जलवायु वार्ता में कहीं बड़ी भूमिका निभा सकता है, 2028 में सीओपी की मेजबानी करनी चाहिए : नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पर्यावरणविद् सुनीता नारायण ने कहा है कि भारत जलवायु वार्ता में 'ग्लोबल साउथ' की आवाज बनकर और उसके द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को प्रस्तुत कर जलवायु वार्ता में ''कहीं बड़ी'' भूमिका निभा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजना 2028 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की है।

सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरोन्मेंट (सीएसई) की महानिदेशक नारायण ने यहां पीटीआई के साथ बातचीत में कहा कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु शिखर सम्मेलन एकमात्र ऐसा मंच है, जहां जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय निर्णय लिए जा सकते हैं।

नारायण ने कहा, दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों के लिए खड़े होने वाले देश के रूप में हम और भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हमारे समक्ष चुनौतियां हैं। हम अपनी चुनौतियों के बारे में बात कर सकते हैं उन्हें दबा नहीं सकते और हम विश्व को आगे बढ़ने का बेहतर रास्ता ढूंढने में मदद कर सकते हैं। हम नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभा सकते हैं। दुबई में, सीओपी-28 में मोदी ने अपने संबोधन में 2028 में जलवायु सम्मेलन की भारत के मेजबानी करने की पेशकश की थी।

नारायण ने कहा, निश्चित रूप से हमें सीओपी की मेजबानी करनी चाहिए और हमें वार्ता करनी चाहिए। देखिए, जलवायु परिवर्तन दुनिया की एक बहुत अनूठी समस्या है जिसे द्विपक्षीय स्तर पर बिल्कुल भी नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक बहुपक्षीय मुद्दा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन समाजवाद को फिर से सीखने का एक तरीका है क्योंकि यह एक साझा माहौल के बारे में है, जहां देशों को एक साथ रहना सीखना होगा, चाहे वे इसे पसंद करें या नहीं।

नारायण सीओपी-28 के अध्यक्ष सुल्तान अल जाबेर के सलाहकार पैनल की सदस्य थीं। अल जाबेर, तेल उत्पादन क्षेत्र की कंपनी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के प्रमुख भी हैं। कंपनी ने पर्यावरण कार्यकर्ताओं की इस चिंता को और बढ़ा दिया कि बड़े उद्योग पर्यावरण संकट के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया पर नियंत्रण स्थापित कर रहे हैं। नारायण ने कहा, ''मुझे भी बहुत आलोचना का सामना करना पड़ा... 'लेकिन वह एक तेल उत्पादक हैं। और आप एक तेल उत्पादक को सलाह क्यों दे रहे हैं?' लेकिन यह महत्वपूर्ण है। और, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम एक आम सहमति बनाएं और कहें कि हम जीवाश्म ईंधन के साथ क्या करने जा रहे हैं? उसका इस्तेमाल कैसे घटाने जा रहे हैं।''

आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों के संदर्भ में 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ये देश खासकर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तैयारी का मौका प्रदान करेंगे वनडे मुकाबले : हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि रविवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला उनकी टीम को आगे होने वाले टी20 के अहम मैचों से पहले रणनीति और परिस्थितियों का आकलन करने का मौका देगी।

भारतीय महिला टीम जुलाई से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से अक्टूबर में बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले लय हासिल करना चाहेगी।

हरमनप्रीत ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हम वनडे को टी20 की तैयारी के मौके के तौर पर ले रहे हैं क्योंकि हम काफी टी20 मैच खेल रहे हैं। वनडे प्रारूप में बतौर खिलाड़ी आपके पास खुद का और परिस्थितियों का आकलन करने के लिए ज्यादा समय होता है।'' उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिए अच्छा है कि हमें ज्यादा मैच खेलने का मौका मिल रहे हैं जिससे हमें खुद का प्रदर्शन देख पा रहे हैं।''

श्रृंखला से पहले भारत के लिए शीर्ष क्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और गेंदबाज पूजा वस्त्रकार की फिटनेस को लेकर चिंता बनी हुई थी।

लेकिन हरमनप्रीत ने चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, ''ये खिलाड़ी ठीक हैं और अभी नेट पर अभ्यास भी कर रही हैं। वे मैच के लिए फिट हैं।''

रोड्रिग्स जहां पीठ की चोट से उबर रही थीं तो वहीं वस्त्रकार भी चोट से उबर रही थीं।

हरमनप्रीत ने कहा कि रोड्रिग्स की वापसी से भारतीय टीम की बल्लेबाजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा, ''जैमी फिट है। वह काफी अनुभवी खिलाड़ी है, वह इतने वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मुझे लगता है कि यह काफी संतुलित बल्लेबाजी टीम है। हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।''

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने कहा कि उनकी टीम को भारत जैसी मजबूत टीम को उसकी सरजमीं पर हराने के लिए सकारात्मक और आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा।

अरुंधति रॉय पर यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी सत्ता का दुरुपयोग : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को लेखिका अरुंधति रॉय पर 2010 में कथित भड़काऊ भाषण के लिए कड़े यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी को ''सत्ता का दुरुपयोग'' बताया।

पवार महा विकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे।

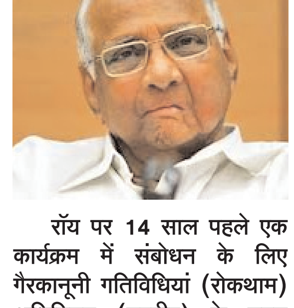

रॉय पर 14 साल पहले एक कार्यक्रम में संबोधन के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलाने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना की मंजूरी के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा ''यह सत्ता के दुरुपयोग के अलावा और कुछ नहीं है।''

रॉय के अलावा सक्सेना ने शुक्रवार को कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ भी यूएपीए के तहत कार्रवाई के लिए मंजूरी दे दी। बुकर पुरस्कार से सम्मानित लेखिका रॉय और हुसैन का नाम 28 अक्टूबर, 2010 में एक प्राथमिकी में दर्ज किया गया था।

दोनों ने 21 अक्टूबर, 2010 को नयी दिल्ली में आजादी-एकमात्र रास्ता के बैनर तले आयोजित एक सम्मेलन में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया था। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, ''सम्मेलन में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई और जिन पर बात हुई, उनसे कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रचार हुआ।''

सुविचार

एक उम्र के बाद उस उम्र की बातें, उम्र भर याद आती है, पर वह उम्र नहीं आती।

ट्वीट

उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में हुए भीषण सड़क हादसें में बड़ी संख्या में जनहानि की मिली सूचना अत्यन्त पीड़ादायक है। बाबा बद्रीनाथ, दिवंगत पुण्यात्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिवार को भारी दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें, ऐसी कामना है।

-दीया कुमारी

संघर्ष, सादगी, एवं ईमानदारी के प्रतिमूर्ति महामहिम उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी से आज शिष्टाचार भेंट की। यह मेरा सौभाग्य है कि विराट अनुभव से आच्छादित उनके विचार जानने को मिलते हैं। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार!

-अर्जुनराम मेघवाल

कहानी

बलि

अमित कुमार विश्वास

मुख्यमंत्री काफी झल्लाये-झल्लाये से रहते हैं। भला उनकी बेटी मने एक मुख्यमंत्री की बेटी भाग जाए, किसी ऐरे-गैरे छौड़े के साथ तो फिर दूसरों को क्या मुँह दिखाएँगे? उन्हें ललिया पर इतना गुस्सा आता है कि अगर मिल जाए तो क्या न कर डालें! परेशान करने के लिए क्या इतना ही कम था कि उन पर विरोधी पक्ष ने आय से ज्यादा संपत्ति रखने की अफवाह उड़ा दी और सीबीआई वालों का छापा भी पड़ गया। अब एक चीफ मिनिस्टर अपनी कुर्सी पर नहीं, जेल की सलाखों के पीछे है। यह सब सिंबोंगा के नाराज होने का ही परिणाम हैं। पत्नी ने बलि देने की मनौती माँगी है। एक तरफ जॉन गुरू, दूसरी तरफ मंदिर के पुजारी... दोनों की राय एक है कि बलि के बाद ही इस अभिशाप से मुक्ति मिल पाएगी। क्या-क्या नहीं सुनना पड़ता है जो पंडित जी देखते दंडवत में बिछ जाया करते वे ही अब ताने कसते हैं। परसों मिलने को आए तो बिना किसी संदर्भ के जहर उगलने लगे कि अरे राज काज तो ब्राह्मण, राजपूतों का काम है। अब आपके जैसे लोग भी राजकाज करने लगेंगे तो देवता कुपित नहीं होंगे। चारों वर्णों को अपने-अपने वर्ण के अनुसार काम करना चाहिए। मने कि बराह्मण गुरू होकर राजपूत राज करेगा बनिया व्यापार और शूद्र सेवा। और ज-है-से ही आप तो चारों वर्णों से भी बाहर ही हुए। बुरा मत मानिएगा जजमान। गलत कहें तो शूली पे चढ़वा दीजिएगा। जब यह सब वर्णाश्रम धर्म के विरूद्ध जाने का ही कुफल है। फिर वे जॉन गुरू की ओर मुड़े, 'बोलिए हम गलत कह रहे हैं?' जॉन गुरू बोले – 'अरे नहीं महाराज। आप कैसे गलत बोल सकते हैं। समाज के सिरमौर हैं आप। गलती निश्चित हुई है। नहीं तो बेटी का वो हाल होता? और सीबीआई का ये मजाल कि... खैर, बलि संपन्न हो जाए तो ये संकट के बादल अपने आप छंट जाएँगें।'

''लेकिन बलि के लिए बकरे कहाँ से आएँगें। महाराज हम तो यहाँ पड़े हुए हैं।'' – मुख्यमंत्री ने कहा। ''अरे मरा हाथी भी सवा लाख का होता है।''- पंडित जी ने कहा, ''आपकी रानी साहिबा, माने कि ललिया की माई चाहे तो सारे बकरे को लाकर हाजिर कर देंवे। यह पुण्य कार्य जितनी जल्दी हो उतना ही भला है।''

वे चले गए, मुख्यमंत्री पिंजरें में बंद भेड़िये की तरह चहल-कदमी करते रहे। तभी रानी साहिबा आती दिखीं। उनके चेहरे पर आनंद और अपमान के मिले-जुले भाव थे, ''कुछ खबर है, ललिया को बेटा हुआ है।''

''तो नाचो न साड़ी खोलकर'', चीफ मिनिस्टर भड़कते हुए कहा कि ''उस सत्यनाशिनी का नाम भी मत लो, वो मेरे लिए मर चुकी है। नाक कटा कर रख दिया है।'' रानी साहिबा सिटपिटा गई, कुछ बोलते न बनी। वे बकर-बकर पति का मुँह देखती रही। जो क्रोध और चिंता में मनहूस-सा लग रहा था, ''सुनो, कम से कम एक हजार बकरे की बलि देनी होगी।''

''एक हजार...?''

''हाँ, कम से कम एक हजार। पंडित जी और जॉन गुरू दोनों का विचार है कि एकमात्र यही रास्ता है जिससे इस अभिशाप से मुक्ति मिल पाएगी। एक बार छूट कर आने दो फिर हम सबको देख लेंगे कि कौन-कौन हमारे पीछे लगा हुआ था, ललिया और अपने दामाद कमलेश्वरी को भी पाताल से खोज निकालेंगे और सरे आम सूली पर चढ़ाएँगे।'' रानी ने कुछ बोलने के लिए मुँह खोला लेकिन बोल न पाई। इधर मुख्यमंत्री के एक पट्ठे ने हामिद मियाँ को हुक्म दिया – ''हमीद मियाँ... कम से कम एक हजार बकरे चाहिए पूजा के लिए।'' ''लेकिन हुजूर एक हजार तो बहुत ज्यादा है वो भी बकरा ही सिर्फ। कहाँ से लाएँगें...?''

''अभी चार दिन बाकी है पूर्ण चाँद होने में। एक सिरे से कसते जाओ, चाहे बकरा हो या बकरी। हमें किसी भी हालत में हजार चाहिए।'' हमीद मियाँ हुक्म का पालन करने को निकल पड़े।

ललिया को देखकर भला कोई कह सकता है कि मुख्यमंत्री की बेटी है। जिस बेटी को राजमहल नसीब होना था उसने एक झोपड़ी में प्रसव किया। पिता की बात मानती तो राजमहल में होती। स्तन में दूध नहीं आ रहा है। पिता की बात मानती तो गाय, भैंस, बकरी यहाँ तक कि औरतों की लाइन लगी होती दूध पिलाने के लिए। बड़ी मुश्किल से विकल्प के रूप में एक बकरी खरीद कर ले लाया है उसका पति कमलेश्वरी। प्रसूति गृह में गंदे लेंदरा, चिकटाये पोतड़े और भिनकती मक्खियाँ व गंदगी का आलम और उसके बीच ललिया का पुत्र पल रहा है। अकल्पनीय है यह सब। ललिया अपने शिशु का चेहरा देखकर प्रसन्न है। हष्ट पुष्ट बच्चा का वजन तीन किलो आठ सौ ग्राम का है। दूसरी ओर वह अपने स्तन को कोसती हुए कहती है 'पत्थर हो गया है, दूध के बूँदें नहीं है।' वह बकरी का दूध रूई से शिशु के मुँह में डाल रही है। ''सब नसीब का खेल है, जॉन गुरू मेरे बच्चे को किसी की नजर न लगे।'' बाप ने उसे ढूँढने की कोई कसर नहीं छोड़ी। यह तो अच्छा हुआ कि वह अभी जेल में है। छी अपने बाप के बारे में क्या सोचती है – ''हे सिंमोंगा देव मेरे बाप को अशुभ छायाओं से बचाना और उसे सद्बुद्धि देना कि उसकी बेटी ने कोई पाप नहीं किया है और न बाप की मूंछ नीची की है। हमारे यहाँ भगाकर शादियाँ होती रही हैं।''

एक बार सब ठीक-ठाक हो जाए तो बाप के पास जरूर जाऊंगी अपने इस नन्हें-मुन्नों को लेकर। उनके कदमों पर रख दूँगी। कहूँगी, ''जो सजा देनी हो मुझे दो मैं आ गई हूँ। कैसे नहीं पिघलेगा माँ-बाप का कलेजा। चीफ मिनिस्टर हुए तो क्या हुआ, हैं तो बाप ही न...।''

बाहर तनिक गरम, तनिक ठंडी हवा के हल्के-हल्के झंकोरों में नए-नए किसलय हिल रहे थे। बसंत था, महुए चू रहे थे। उसकी गंध हवा के झोकों से उसे छू जाती थी। उसे उन बीते दिनों की याद आ जाती है, जब वह एक मुख्यमंत्री की बेटी नहीं, गाँव की एक बालिका थी। उजले-उजले महुए के फूलों के ढ़ेर लगा देती थी। पिता के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद यह सब छूट गया। प्राकृतिक जंगल से कंक्रीट के जंगल में आना पड़ा, फिर स्कूल ड्रेस, स्कूल बस, टीचर्स, गवर्नेंस और क्या क्या नहीं... उसे लगा कि बीच का समय उसका वनवास था, अब वह पुनः प्रकृति के गोद में लौट आई है, अपने लोगों के बीच। यह बच्चा जरा संभल जाए तो वह और कमलेश्वरी दोनों आदिवासियों के विकास के लिए कार्य करेंगे, पिता की तरह कोई ढोंग नहीं।

सुबह का 11 बज रहा होगा, लगा कि कोई आँधी-सी आयी, हालाँकि न कोई पत्ता हिला, न कोई डाली टूटी और न ही धूल उड़ी। उसने इतिहास की पुस्तकों में हूण, चंगेज खाँ, नादिर शाह आदि के आक्रमण के बारे में पढ़ा था। लगा कुछ ऐसी ही अफरा-तफरी है एक बर्बर-सी भागम-भाग।

''हमीद एक भी बकरी-बकरा नहीं छूटना चाहिए, समझे।'' कसाई जैसी आवाज।

तभी उसके अपनी बकरी और पाठा दोनों के मिमियाने की आवाज सुनाई पड़ी। गिरते-पड़ते वह उठ खड़ी हुई ''अरे क्या कर रहे हो...?''

ले जा रहे हैं और क्या? ''काहे?'' ''हुकूम है और क्या... काहे कर रही है।''

वह गिड़गिड़ाती रह गई कि इसी बकरी के दूध पर अपना बच्चा पल रहा है। अभी कै दिन का बच्चा है, उसकी छाती में दूध नहीं होता। बकरी के न रहने पर वह पीएगा क्या। ''सो हम नहीं जानते हैं... हुकूम, हुकूम होता है।'' उन्होंने एक न सुनी।

बकरी चिल्लाती रही।
पाठा भी चिल्लाता रहा।
बच्चा चिल्लाता रहा।
ललिया चिल्लाती रही।

लेकिन वे ले गए। ठीक पूरे चाँद के दिन बलि संपन्न हो गई। फिजा में निर्दोष बकरियों की चीख भर गई थी। उधर उसी दिन दूध के अभाव में ललिया के बच्चे ने दम तोड़ दिया।

तब से पूरे इलाके में एक अजीब-सा करूण चीत्कार सुनाई पड़ती है। इस एक चीत्कार में पाठे की चीत्कार है, बकरे की चीत्कार है, नवजात शिशु की चीत्कार है और ललिया की भी। लोग एक-दूसरे से बूझना चाहते हैं कि ऐसी चीत्कार न कभी देखी, न सुनी। यह कैसी चीत्कार है, कौन रो रहा है- करूण स्वर में।

बलि के प्रताप से मुख्यमंत्री और विरोधी दल में समझौता हो गया है। मुख्यमंत्री निर्दोष छूट गए हैं। नगाड़े बज रहे हैं, मादल बज रहे हैं। तुरूही बज रही है। बाँसुरी बज रही है। लोग रंग, अबीर लगाकर नाच रहे हैं। लेकिन ये आवाज सहसा मंद पड़ जाती है और वह करूण चीत्कारें, सबके ऊपर छाने लगती हैं। लोग एक-दूसरे का मुँह ताकते हैं। किस जानवर की चीत्कारें हैं – सियारिन की, भेड़िए की, बाघिन की... किसकी? वे कैसे समझ पाते। वह अकेली चीत्कार नहीं थी। उसमें हजारों हजार पाठों की चीत्कार थी, बकरियों की चीत्कारें थीं, शिशुओं की चीत्कारें थीं और ललिया जैसी माताओं की चीत्कारें भी...?

–'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

पुनरपि जननं पुनरपि मरणं

श्मशान में हूँ। देखता हूँ कि हर क्षेत्र की तरह यहाँ भी भारी भीड़ है। लगातार कोई ना कोई निष्प्राण देह लाई जा रही है। देह के पीछे सम्बंधित मृतक के परिजन और रिश्तेदार हैं। दहन के लिए चितास्थल खाली मिलना भी अब भाग्य कहलाने लगा है। दो देह प्रतीक्षारत हैं। कुछ समय बाद दो खाली चितास्थलों पर चिता तैयार की जाने लगी हैं। मृतक के परिजन और रिश्तेदार केवल ज़बानी निर्देश तक सीमित हैं। सारा काम तो श्मशान के कर्मचारी कर रहे हैं।

पुरोहित अंतिम संस्कार कराने में जुटे हैं। हर संस्कार की भाँति यहाँ भी उनसे शॉर्टकट की अपेक्षा है। मृतक के पुत्र, पौत्र, निकटवर्ती अपने केश अर्पित कर रहे हैं। उपस्थित लोगों में से अधिकांश के चेहरे पर घर या काम पर जल्दी जाने की बेचैनी है। ज़िंदा रहने के लिए महानगर की शर्तें, संवेदनाओं को मुर्दा कर रही हैं। इन मृत संवेदनाओं की तुलना में मरघट मुझे चैतन्य लगता है। यूँ भी देखें तो महानगरों के मरघट की अखंड चिताग्नि 'मणिकर्णिका' का विस्तार ही है।

मानस में जच्चा वॉर्ड के इर्द-गिर्द भीड़ का दृश्य उभरता है। अलबत्ता वहाँ आनंद और उल्लास है, चेहरों पर प्रसन्नता है। प्रसूतिगृह में जीव के आगमन का हर्ष है, श्मशान में जीव के गमन का शोक है।

बार-बार आता है, बार-बार जाता है, फिर-फिर लौट आता है। जीव अन्यान्य देह धारण करता है। चक्र अनवरत है। विशेष बात यह कि जो शोक या आनन्द मना रहे हैं, वे भी उसी परिक्रमा के घटक हैं। आना-जाना उन्हें भी उसी रास्ते है। जीवन का रंगमंच, पात्रों से निरंतर भूमिकाएँ बदलवाता रहता है। आज जो कंधा देने आए हैं, कल उन्हें भी कंधों पर ही आना है।

'भज गोविंदम' के 21वें पद में आदिशंकराचार्य जी महाराज कहते हैं-

पुनरपि जननं पुनरपि मरणं पुनरपि जननी जठरे शयनम।
इह संसारे बहुदुस्तारे कृपयाऽपारे पाहि मुरारे।।

भावार्थ है कि बार-बार जन्म होता है। बार-बार मृत्यु आती है। बार-बार माँ के गर्भ में शयन करना होता है। बार-बार का यह चक्र अनवरत है। यही कारण है कि संसार रूपी महासागर पार करना दुस्तर है। वस्तुत: काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, राग-द्वेष, निंदा सभी तरह के राक्षसी विषयों का यह संसार महासागर है। यह अपरा है, यहाँ किनारा मिलता ही नहीं। ऐसे राक्षसों के अरि अर्थात मुरारि, भवसागर पार करने की शक्ति प्रदान करें।

श्मशान से श्मशान तक की यात्रा से मुक्त होने का पहला चरण है भान होना। भान रहे कि सब श्मशान की दिशा में यात्रा कर रहे हैं। यह पंक्तियाँ लिखनेवाला और इन्हें पढ़नेवाला भी। श्मशान पहुँचने के पहले निर्णय करना होगा कि पार होने का प्रयास करना है या फेरा लगाते रहना है। ..इति।

अध्यात्म

धर्म और विज्ञान के बीच की कड़ी है दर्शन

मूल है, जो सबसे महत्वपूर्ण है, वह सदैव ही अज्ञात है। जिसको हम जानते हैं, वह बहुत ही ऊपरी है। इसलिए कुछ बातें ठीक से समझ लेनी चाहिए, इसके पहले कि हम अज्ञात में उतरें। ये तीन शब्द- ज्ञात, अज्ञात, अज्ञेय समझ लेने जरूरी हैं सबसे पहले, क्योंकि उपनिषद अज्ञात से जुड़े हैं। वे समाप्त होते हैं अज्ञेय में। ज्ञात की भूमि विज्ञान बन जाता है; अज्ञात- दर्शनशास्त्र और अज्ञेय है धर्म से सम्बंधित।

दर्शनशास्त्र ज्ञात व अज्ञेय में, विज्ञान व धर्म के बीच एक कड़ी है। दर्शनशास्त्र पूर्णत: अज्ञात से सम्बंधित है। जैसे ही कुछ भी जान लिया जाता है, वह विज्ञान का हिस्सा हो जाता है और वह फिर दर्शन का हिस्सा नहीं रहता। इसलिए विज्ञान जितना बढ़ता जाता है, उतना ही दर्शनशास्त्र आगे बढ़ा दिया जाता है। जो भी जान लिया जाता है, विज्ञान का हो जाता है। दर्शनशास्त्र विज्ञान व धर्म के बीच की कड़ी है। उपनिषद अज्ञात से प्रारंभ होते हैं, और वे अज्ञेय पर समाप्त होते हैं। और जब मैं कहता हूं अज्ञेय, तो मेरा तात्पर्य है वह जो कि कभी जाना नहीं जा सकता। जिस क्षण हम अज्ञेय का सामना करते हैं, केवल तभी वह धर्म होता है। जब मैं कहता हूं अज्ञेय, तो मेरा आशय है उससे, जिसे कभी जाना नहीं जा सकता; परन्तु उसका सामना हो सकता है। उसका साक्षात्कार हो सकता है, परन्तु फिर भी वह अज्ञेय ही रहता है। केवल इतना ही अनुभव होता है कि अब हम एक गंभीर रहस्य में हैं, जिसे समझा नहीं जा सकता। इसलिए कुछ सूत्र समझ लेने चाहिए।

पहली बात यह है कि हम कैसे सुनते हैं। आप अपनी बुद्धि से, तर्क से सुन सकते हैं। यह एक तरीका है सुनने का, जो सामान्य है और बहुत उथला, क्योंकि तर्क के साथ आप सदैव या तो बचाव करने में लगे होते हैं या हमला करने में। जब तर्क से समझने की कोशिश करते हैं, तब उससे लड़ते हैं, *तब केवल एक परिचय होता है।

गहन अर्थ के लिए सहानुभूति के साथ सुनना अनिवार्य है। इसलिए तर्क से सुनना ठीक है, यदि तुम गणित, तर्कशास्त्र या कोई ऐसी बात सीख रहे हो, जो पूरी तरह बुद्धिगत हो।

अगर तुम कविता को भी तर्क से सुनोगे, तो तुम फिर अंधे हो जाओगे। यह ऐसा ही है, जैसे कि कोई कान से देखने का प्रयत्न करे अथवा आंखों से सुनने का प्रयत्न करे! तुम तर्क से कविता को नहीं समझ सकते। इसलिए एक दूसरी समझ भी होती है, जो तर्क से नहीं, बल्कि होती है प्रेम से, अनुभूति से, भावना से। तर्क कभी अपने में किसी भी चीज को आसानी से नहीं गुजरने देता। तर्क को हराया जाना चाहिए, केवल तभी कुछ भीतर प्रवेश कर सकता है। यह बुद्धि का एक सुरक्षा का इंतजाम है। यह हर क्षण सावधान रहता है, कुछ भी भीतर नहीं जा सकता, बिना तर्क को पछाड़े। और अगर तर्क हार भी जाए, तो भी वह चीज आपके हृदय तक नहीं जा सकती, क्योंकि हार में आप सहानुभूतिपूर्ण नहीं हो सकते। श्रवण का दूसरा आयाम है हृदय के द्वारा, भावना के द्वारा। कोई संगीत सुन रहा है, तब किसी विश्लेषण की जरूरत नहीं है। यदि आप एक आलोचक हैं, तो कभी संगीत नहीं समझ पाएंगे। हां, हो सकता है कि आप उसका गणित, उसकी छंद रचना, भाषा आदि सब के बारे में समझ जाए, परंतु संगीत को नहीं समझ पाएंगे। संगीत तो समग्र है। यदि तुम विवेचना करने को एक क्षण भी ठहरे तो तुमने बहुत कुछ खो दिया। वह एक बहती हुई समग्रता है। सच्चे संगीत की विवेचना कभी भी नहीं हो सकती, जब कि वह चल रहा हो। तुम केवल दर्शक नहीं हो सकते; तुम्हें तो उसमें भागीदार होना पड़ता है। अतएव भावना में समझने का मार्ग हमारे स्वयं के आप संगीत को एक वस्तु नहीं बना सकते।

बोध कथा

सुनहरा पौधा

तेनालीराम हर बार अपने दिमाग का इस्तेमाल करके ऐसा कुछ करते थे कि विजय नगर के महाराज कृष्णदेव दंग रह जाते थे। इस बार उन्होंने एक तरकीब से राजा को अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को मजबूर कर दिया। हुआ यूं कि एक बार राजा कृष्णदेव किसी काम के चलते कश्मीर चले गए। वहां उन्हें एक सुनहरे रंग का खिलने वाला फूल दिखा। वो फूल महाराज को इतना पसंद आया कि वो अपने राज्य विजयनगर लौटते समय उसका एक पौधा अपने साथ लेकर आ गए। महल पहुंचते ही उन्होंने माली को बुलाया। माली के आते ही महाराज ने उससे कहा, देखो! इस पौधे को हमारे बगीचे में ऐसी जगह लगाना कि मैं इसे अपने कमरे से रोज देख सकूं। इसमें सुनहरे रंग के फूल खिलेंगे, जो मुझे काफी पसंद हैं। इस पौधे का काफी ख्याल रखना। अगर इसे कुछ भी हुआ, तो तुम्हें प्राण दंड भी मिल सकता है। माली ने सिर हिलाते हुए राजा से पौधा लिया और उनके कमरे से दिखने वाली जगह में उसे लगा दिया। दिन रात माली उस फूल का खूब ख्याल रखता था। दिन जैसे ही बीतते गए उसमें सुनहरे फूल खिलने लगे। रोज राजा उठते ही सबसे पहले उसे देखते और फिर दरबार जाते थे। अगर किसी दिन राजा को महल से बाहर जाना पड़ता था, तो उस फूल को न देख पाने के कारण उनका मन दुखी हो जाता था।

एक दिन जब राजा सुबह उस फूल को देखने के लिए अपनी खिड़की पर आए, तो उन्हें वो फूल दिखा ही नहीं। तभी उन्होंने माली को बुलवाया। महाराज ने माली से पूछा, वो पौधा कहा गया। मुझे उसके फूल क्यों दिख नहीं रहे हैं। जवाब में माली ने कहा, साहब! उसे कल शाम को मेरी बकरी खा गई। इस बात को सुनते ही उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने सीधे राजमाली को दो दिन बाद मौत की सजा सुनाने का आदेश दे दिया। तभी वहां सैनिक आए और उसे जेल में डाल दिया।

माली की पत्नी को जैसे ही इस बारे में पता चला, वो दरबार में राजा से फरियाद करने पहुंची। गुस्से में महाराज ने उसकी एक बात न सुनी। रोते-रोते वो दरबार से जाने लगी। तभी एक व्यक्ति ने उसे तेनालीराम से मिलने की सलाह दी। रोते हुए माली की पत्नी ने तेनालीराम को अपने पति को मिली मौत की सजा और उस सुनहरे फूल के बारे में बताया। उसकी सारी बात सुनकर तेनालीराम ने उसे समझा-बुझाकर घर भेज दिया। अगले दिन गुस्से में माली की पत्नी उस सुनहरा फूल खाने वाली बकरी को चौराहे में ले जाकर डंडे से पीटने लगती है। ऐसा करते-करते बकरी अधमरी हो गई। विजयनगर राज्य में पशुओं के साथ इस तरह का व्यवहार करना मना था। इसे क्रूरता माना जाता था, इसलिए कुछ लोगों ने माली की पत्नी की इस हरकत की शिकायत नगर कोतवाल को कर दी। सारा मामला जानने के बाद नगर कोतवाल के सिपाहियों को पता चला कि यह सब माली को मिले दंड की वजह से वो गुस्से में कर रही है। यह जानते ही सिपाही इस मामले को दरबार में लेकर गए।

महाराज कृष्णराज ने पूछा कि तुम एक जानवर के साथ इतना बुरा व्यवहार कैसे कर सकती हो? ऐसी बकरी जिसके कारण मेरा पूरा घर उजड़ने वाला है। मैं विधवा होने वाली हूं और मेरे बच्चे अनाथ होने वाले हैं, उस बकरी के साथ कैसा व्यवहार करूं महाराज माली की पत्नी ने जवाब दिया।

राजा कृष्णराज ने कहा, तुम्हारी बात का मतलब मैं समझ नहीं पाया। ये बेजुबान जानवर तुम्हारा घर कैसे उजाड़ सकता है? उसने बताया, साहब! ये वही बकरी है जिसने आपके सुनहरे पौधे को खा लिया था। इसकी वजह से आपने मेरे पति को मौत की सजा सुना दी है। गलती तो इस बकरी की थी, लेकिन सजा मेरे पति को मिल रही है। सजा असल में इस बकरी को मिलनी चाहिए, इसलिए मैं इसे डंडे से पीट रही थी। अब महाराज को यह बात समझ आई कि गलती माली की नहीं, बल्कि बकरी की थी। यह समझते ही उन्होंने माली की पत्नी से पूछा कि तुम्हारे पास इतनी बुद्धि कैसे आई कि इस तरह से मेरी गलती के बारे में समझा सको। उसने कहा कि महाराज, मुझे रोने के अलावा कुछ भी नहीं सूझ रहा था। यह सब मुझे पंडित तेनालीराम जी ने समझाया है।

एक बार फिर राजा कृष्णराय को तेनालीराम पर गर्व महसूस हुआ और उन्होंने कहा कि तेनालीराम तुमने मुझे एक बार फिर बड़ी गलती करने से रोक दिया। यह कहते ही महाराज ने माली का मृत्यु दंड का फैसला वापस लेते हुए उसे जेल से रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही तेनालीराम को उनकी बुद्धि के लिए पचास हजार स्वर्ण मुद्राएं उपहार के रूप में दीं।

वीर गाथा

हवलदार उधम सिंहः खुद लहूलुहान होकर भी उड़ा दिए 3 घुसपैठियों के चिथड़े

हवलदार उधम सिंह का जन्म 16 मार्च, 1959 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के चुवाड़ी गांव में हुआ था। अपने राज्य के कई युवाओं की तरह उधम सिंह में भी सैनिक बनने का जुनून था। वे अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद सेना में भर्ती हो गए थे। उन्हें 18 ग्रेनेडियर्स में शामिल किया गया था।

साल 1999 में हवलदार उधम सिंह अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर तैनात थे। मई में पता चला कि पाकिस्तानियों ने कारगिल की पहाड़ियों पर स्थित कई ठिकानों पर घुसपैठ कर ली है। उन्हें मार भगाने के लिए 'ऑपरेशन विजय' का आगाज किया गया।

सेना की रणनीति के तहत उधम सिंह और साथी जवानों को मई के तीसरे हफ्ते में द्रास इलाके में भेज दिया गया। दो राज रिफ द्वारा तोलोलिंग टॉप पर कब्ज़ा किए जाने के बाद 18 ग्रेनेडियर्स को 18 गढ़वाल राइफ़ल्स के साथ मिलकर हम्प पर कब्ज़ा करने का जिम्मा सौंपा गया।

13 जून को हवलदार उधम सिंह द्रास सेक्टर के इलाके में अपनी टुकड़ी के साथ हमले का नेतृत्व कर रहे थे। वे दुश्मन को पछाड़ कर आगे बढ़ते रहे। उनकी ओर भारी गोलाबारी हो रही थी, जिससे आगे बढ़ने की रफ्तार कुछ कम हुई, लेकिन सिलसिला जारी रहा।

अगले दिन हवलदार उधम सिंह ने एक योजना बनाई। उन्होंने अपने जवानों को आदेश दिया कि वे दुश्मन के ठिकानों पर हमला कर उसे व्यस्त रखें, जबकि खुद कुछ साथियों के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े।

उधम सिंह ने एक बिंदु पर जाकर साथियों को वहीं रोक दिया और दुश्मन पर हथगोला फेंकने की तैयारी करने लगे। अचानक पाकिस्तानी घुसपैठियों ने उन्हें देख लिया और गोलियां चलाईं। इससे उधम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। वे अपनी ज़िंदगी की परवाह न करते हुए आगे बढ़े और हथगोला फेंक दिया। जोरदार धमाका हुआ। पता चला कि तीन पाकिस्तानी घुसपैठियों के चिथड़े उड़ गए हैं।

उधम सिंह ने अपने जवानों को आगे बढ़ने का आदेश दिया और स्वयं वीरगति को प्राप्त हो गए। उनकी बहादुरी और सैन्य सूझबूझ के कारण भारतीय सेना को आखिरकार लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली। वहां डेरा डाले बैठे पाकिस्तानी घुसपैठिए या तो मारे गए या भागने को मजबूर हो गए। हवलदार उधम सिंह को 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

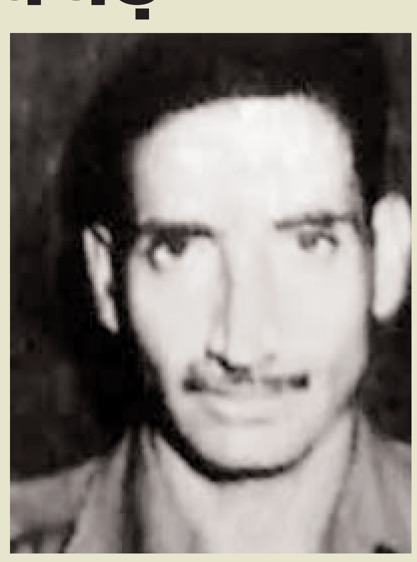

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

'करेंगे योग तो रहेंगे निरोग' - पश्चिम को योग से कैसे मिली 'सुकून' की सांस?

आज पूरी दुनिया में बज रहा है योग का डंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आज भारत में ही नहीं, विदेशों में भी योग की लोकप्रियता बढ़ रही है। योग की शरण में आने से 'तन, मन और जीवन के 'असंतुलन' दूर होते हैं। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, योग मनुष्य को जोड़ना सिखाता है– देह को प्रकृति से और आत्मा को ब्रह्म से।

भारत के योग को पश्चिम ने 'योगा' के नाम से अपनाया और आज पूरी दुनिया इसकी दीवानी है। अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, नॉर्वे, नीदरलैंड, स्वीडन, डेनमार्क, जर्मनी ... जैसे देशों में बड़ी संख्या में लोग न केवल योगाभ्यास कर रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र में शोध कर ज्ञान–विज्ञान को अधिक समृद्ध बनाने में योगदान भी दे रहे हैं।

पश्चिम में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट के तेजी से प्रसार के बाद समाज में कई बदलाव आए। वहां पहले ही जिंदगी की रफ्तार दुनिया के कई देशों की तुलना में काफी ज्यादा थी। तो पश्चिम में योग की लोकप्रियता कैसे बढ़ी, चूंकि आधुनिक तकनीक की दस्तक के बाद तो वहां लोगों के पास ज्यादा सोचने के लिए समय ही नहीं होता था?

वास्तव में भौतिकता में सुख तलाशने की इस भाग–दौड़ के बाद पश्चिम को उस सुकून की जरूरत सबसे ज्यादा महसूस हुई, जो उसे सिर्फ योग दे सकता था। जब उन देशों में लोग योग से परिचित हो रहे थे, तब एक वर्ग ने इसका तीव्र विरोध भी किया था। उसने योग को खास धार्मिक मान्यताओं और रूढ़ियों से जोड़कर देखा,

लेकिन समय के साथ ये भ्रांतियां दूर होती गईं।

उस समय लोगों के जीवन की व्यस्तता के बारे में कहा जाता था कि अगर किसी व्यक्ति को रोक कर उसे तीन सेकंड की गहरी सांस लेने के लिए कहा जाए तो उसका जवाब होगा– 'मैं ऐसा करूंगा तो दुनिया मुझे तीन सेकंड पीछे छोड़कर आगे बढ़ जाएगी!' हालांकि जब लोग योग से जुड़ने लगे, आसन–प्राणायाम आदि करने लगे, तब उन्हें महसूस हुआ कि सुकून की गहरी सांस उन्हें पीछे नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार की ओर लेकर जाएगी।

विशेषज्ञों ने पाया था कि भौतिकता की चकाचौंध के कारण लोगों को ऐसे रोग होने लगे, जो पहले बड़े–बुजुर्गों को ही होते थे। इसके मूल में अनियमित दिनचर्या, प्रतिकूल आहार–विहार, जीवनशैली में बदलाव समेत कई कारण थे। उन लोगों को योग की शरण में आने से बहुत लाभ हुआ। आज पश्चिम सहित दुनिया के ज्यादातर देशों में योग के विख्यात केंद्र चल रहे हैं, जहां अनगिनत लोग स्वास्थ्य–लाभ प्राप्त कर चुके हैं और कर रहे हैं। इसीलिए कहा जाता है– करेंगे योग तो रहेंगे निरोग!

बढ़ाता है एकाग्रता, दूर करता है मांसपेशियों के विकार ...'ताड़ासन' करने से होते हैं ये लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग हर व्यक्ति के लिए है। अपनी शारीरिक अवस्था को ध्यान में रखते हुए कुशल योग प्रशिक्षक के निर्देशन में किया गया योग लाभदायक होता है। यह एक प्राचीन विज्ञान है, जिसके अभ्यास के दौरान नियमों का पालन करना आवश्यक है। चूंकि किसी भी विषय को समझने के लिए सरलता से जटिलता की ओर बढ़ना श्रेयस्कर होता है, इसलिए योगाभ्यास के दौरान भी इसी नियम का पालन करना उचित है। शुरुआत में कठिन आसनों के बजाय सरल आसन करें। उसके बाद प्रशिक्षक के दिशा–निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ें। यहां जानिए 'ताड़ासन' करने का तरीका और उसके लाभ ...

कैसे करें?

'ताड़ासन' का नाम सुनते ही जो शब्द सबसे पहले मन में आता है, वह है– 'ताड़', जो कि एक पेड़ का नाम है। इस आसन में पूरे शरीर को ताड़ की तरह ऊपर की ओर खींचना होता है। इसे करने के लिए पहले सीधे खड़े हो जाएं। यह कोशिश करें कि आपके पैर मिले रहें। वहीं, हथेलियों को बगल में रखें।

शरीर को स्थिर रखें और इस बात का ध्यान रखें कि आपका पूरा वज़न दोनों पैरों पर समान रूप से आए। अब दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर रखें। आपकी हथेलियां भी ऊपर की ओर हों।

अब सांस भरते हुए हाथों को ऊपर की तरफ खींचिए। कंधों और छाती में भी खिंचाव आना चाहिए। अपनी एड़ियों को ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शारीरिक संतुलन बनाने का प्रयास करें। कुछ पल तक इसी स्थिति में रहें। उसके बाद सांस छोड़ते हुए हाथों को वापस सिर के ऊपर लाएं। इसे पांच से 10 बार तक दोहरा सकते हैं।

ध्यान रखें कि जब सांस भरें तो दोनों हाथों, पैरों तथा पूरे शरीर में खिंचाव लाना है। वहीं, सांस को छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में लौटना है।

ताड़ासन से लाभ

- यह शरीर की मांसपेशियों के विकार को दूर करता है।
- इससे शारीरिक व मानसिक संतुलन बनाने में मदद मिलती है।
- यह आसन एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होता है।
- ताड़ासन साइटिका के दर्द से राहत दिलाने में सहायक है।
- इससे जांघें, घुटने और टखने मजबूत होते हैं।
- जिन बच्चों की लंबाई बहुत धीरे बढ़ती है, उन्हें ताड़ासन से लाभ हो सकता है।
- यह बदन–दर्द में राहत पहुंचाता है।
- नियमित अभ्यास से पाचन तंत्र के रोगों से राहत मिलती है।

योग के इन फायदों को आधुनिक विज्ञान भी कर चुका स्वीकार

योग एक समृद्ध विज्ञान है, जिसके विभिन्न आसन तन और मन को कई तरह से फायदे पहुंचाते हैं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग से होने वाले कई फायदों पर विज्ञान भी मुहर लगा चुका है। विशेषज्ञ कहते हैं कि योग के विभिन्न फायदों में लचीलापन, शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार खासतौर से शामिल किए जा सकते हैं। यह तनाव, सूजन और चिंता को दूर करने में भी मदद कर सकता है। योग एक समृद्ध विज्ञान है, जिसके विभिन्न आसन तन और मन को कई तरह से फायदे पहुंचाते हैं। आइए, यहां जानते हैं योग से होने वाले खास फायदों के बारे में ...

लचीलापन बढ़ाता है

साल 2016 में योग के दो प्रमुख संस्थानों योगा जर्नल और योगा एलायंस ने योग की बढ़ती लोकप्रियता के बीच इसके बारे में विभिन्न आंकड़ों को देखते हुए एक विश्वव्यापी सर्वेक्षण किया। उन्होंने पाया कि योग करने के लिए लोगों का इसको चुनने का सबसे बड़ा कारण 'लचीलापन बढ़ाना' था। लचीलापन शारीरिक स्वास्थ्य का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।

विशेषज्ञों ने यह भी पाया कि योग 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों में लचीलेपन को बेहतर बनाने में विशेष रूप से सहायक होता है। लचीलापन कम होना उम्र बढ़ने का एक स्वाभाविक हिस्सा है और साल 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि योग ने वृद्धजन में लचीलेपन में कमी को धीमा किया।

तनाव दूर करने में मददगार

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के एक अध्ययन के अनुसार, 84 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क दीर्घकालिक तनाव का प्रभाव महसूस कर रहे हैं। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि लोगों द्वारा योग करने के लिए चुना गया दूसरा सबसे बड़ा कारण तनाव से राहत पाना था। वैज्ञानिक अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि योगासन तनाव कम करने में बहुत कारगर होते हैं। इस प्रक्रिया में ध्यान, सांस लेने की क्रिया, ध्वनि श्रवण, मंत्रोच्चार आदि तनाव से राहत दिलाने में असरदार होते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार

प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) को दुनिया में सबसे आम मानसिक स्वास्थ्य विकारों में से एक माना जाता है। अवसादग्रस्तता के लक्षणों पर योग–आधारित उपचारों के प्रभावों को देखने वाले एक विश्लेषण ने भारी बहुमत से निष्कर्ष निकाला कि योग को अब एमडीडी के लिए प्रभावी वैकल्पिक उपचार माना जा सकता है। आसन–आधारित योग चिकित्सा और श्वास–आधारित अभ्यास दोनों से लक्षणों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

सूजन को कर सकता है कम

अक्सर कई बीमारियों का कारण पुरानी सूजन होती है। इसके अलावा हृदय रोग, मधुमेह, गठिया, क्रोहन रोग और कई अन्य बीमारियां लंबे समय की शारीरिक स्थितियों का परिणाम होती हैं। एक समीक्षा में 15 शोध अध्ययनों की जांच की गई और सामान्य परिणाम मिला– योग पुरानी सूजन और उन स्थितियों के असर को दूर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो एक समय बाद बड़े रोगों में परिवर्तित हो सकती हैं।

शक्ति बढ़ाता है

योगासन से शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है। इससे ऊर्जा का संचार होता है और तन–मन को शक्ति प्राप्त होती है। शक्ति बढ़ाने में योग की प्रभावशीलता संबंधी अध्ययन के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि उचित आहार–विहार, खानपान और दिनचर्या में सुधार के साथ योगाभ्यास किया जाए तो तन और मन, दोनों की शक्ति बढ़ती है। इससे थकान दूर होती है और मनुष्य खुद को तरोताजा महसूस करता है।

अमेरिका में सुरक्षाकर्मियों पर किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि योग कई आयु वर्ग के स्वस्थ प्रतिभागियों के लिए प्रभावी शक्ति–निर्माण अभ्यास है।

विशेष

इस जानकारी का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह स्वास्थ्य संबंधी सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। उचित सावधानियों का पालन करते हुए किसी कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा–निर्देशों के अनुसार ही योगाभ्यास करना चाहिए।

रवीना टंडन ने 'फर्जी' वीडियो को लेकर एक व्यक्ति को मानहानि का नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। अभिनेत्री रवीना टंडन ने सड़क पर क्रोध करने की एक कथित घटना के सिलसिले में सोशल मीडिया पर डाले गये एक वीडियो को नहीं हटाने पर एक व्यक्ति को मानहानि का एक नोटिस भेजा है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया है। उसमें यह व्यक्ति यह दावा करता हुआ दिख रहा है कि टंडन की कार ने उसकी मां को टक्कर मारी और टोकने पर अभिनेत्री ने उन पर (उसकी मां के) हमला किया। इस व्यक्ति ने यह भी दावा किया कि यह घटना तब घटी, जब यहां उसकी मां, बहन और भतीजी अभिनेत्री के घर के समीप थीं।

मुंबई पुलिस की जांच में सामने आया कि अभिनेत्री की कार से किसी को टक्कर नहीं लगी। मानहानि

के नोटिस में कहा गया है कि अभिनेत्री ने संबंधित व्यक्ति को 'सच्चाई और सही तथ्यों' के बारे में बता दिया है जो पुलिस जांच में सामने आया है। यह नोटिस वकील सना खान के मार्फत भेजा गया है। मानहानि के नोटिस के मुताबिक संबंधित व्यक्ति ने अभिनेत्री से कहा था कि वह उसे अपने 'एक्स' एकाउंट से इस वीडियो हटाने का एक अनुरोध पत्र भेजें । यह अनुरोध पत्र ई–मेल के मार्फत पांच जून को भेजा गया था। नोटिस में कहा गया है, लेकिन, आपने अपने हैंडल से इस पोस्ट को हटाने से मना कर दिया और हमारी मुवक्किल को धमकी भी दी कि यदि उक्त अनुरोध पत्र 24 घंटे के अंदर नहीं हटाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोटिस में टंडन ने कहा कि यह वीडियो 'निश्चित ही फर्जी खबर है' और 'मानहानिकारक भी है' तथा संबंधित व्यक्ति ने वीडियो के मार्फत सोशल मीडिया एवं न्यूज पोर्टल पर उन्हें बदनाम किया ।

नोटिस में कहा गया है कि टंडन को मानसिक रूप से परेशान करने के इरादे से ही उन्हें सार्वजनिक रूप से बदनाम करने के लिए यह वीडियो बनाया गया है। खान ने कहा, हम इस मुद्दे के हल के लिए सभी जरूरी कानूनी कदम उठा रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि न्याय हो एवं यह मानहानि अभियान चलाने को लेकर उसके खिलाफ कार्रवाई हो।

भोपाल में लोगों ने वीवीआईपी बंगलों के लिए पेड़ों को नहीं कटने देने की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के सैकड़ों लोगों ने 27,000 से अधिक पेड़ों को बचाने के लिए एकजुटता दिखाते हुए इन्हें बचाने की शपथ ली है। लोगों को डर है कि शहर में अति विशिष्ट लोगों (वीवीआईपी) के बंगलों के लिए जगह बनाने के लिए इन पेड़ों को काट दिया जाएगा। लोग इन पेड़ों को बचाने के लिए 'चिपको आंदोलन' जैसा विरोध प्रदर्शन शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं। हालांकि, मध्य प्रदेश सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को कहा कि ऐसी किसी भी योजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। पिछले दस दिनों से नागरिक, छात्र और पर्यावरण कार्यकर्ता मध्य प्रदेश के गृह निर्माण मंडल द्वारा शहर के सबसे हरे–भरे इलाकों शिवाजी नगर और तुलसी नगर में पेड़ों को काटकर विधायकों और नौकरशाहों के लिए बंगले बनाने की योजना के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

महिलाओं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक सहित उनमें से कई लोगों ने शुक्रवार को पेड़ों की पूजा की और उन्हें बचाने की शपथ ली। मध्य प्रदेश आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि पेड़ों को तत्काल कुछ नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि यह गृह निर्माण मंडल द्वारा शहरी विकास मंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गई अवधारणा थी। अभी तक सरकार के समक्ष कोई अनुमोदन या अंतिम प्रस्ताव नहीं है। सरकार पेड़ों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। अभी पेड़ों को काटने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

अभियान का नेतृत्व करने वालों में शामिल पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ. सुभाष सी. पांडे ने कहा कि वे अपने आंदोलन पर सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बीच, अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो हम चिपको आंदोलन जैसा व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उत्तराखंड (तब उत्तर प्रदेश का हिस्सा) में 1970 के दशक में शुरू किया गया चिपको आंदोलन एक ऐसा आंदोलन था जिसमें लोग पेड़ों के तने से चिपककर उन्हें लकड़हारों द्वारा काटे जाने से रोकते थे।

डॉ पांडे ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि (आवास) परियोजना के लिए 27,000 से अधिक पेड़ काटे जाने वाले हैं, जिनमें से सत्तर प्रतिशत विरासत के पेड़ हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे पर मप्र गृह निर्माण मंडल के आयुक्त चंद्रमौली शुक्ला और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की, लेकिन उन्हें बताया गया कि अगर ऐसी कोई परियोजना आती है तो क्षतिपूर्ति के तौर पर पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेट्रो ट्रेन परियोजना, स्मार्ट सिटी और भोपाल में एक निजी कंपनी के विशाल परिसर के लिए पेड़ों की कटाई की भरपाई के लिए लगाए गए एक भी पौधे को बचाया नहीं जा सका है। पांडे ने कहा कि वे पेड़ों को बचाने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण का भी दरवाजा खटखटाएंगे।

दक्षिण–पश्चिम भोपाल के भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी, जिन्होंने शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में पेड़ों की पूजा की और सार्वजनिक रूप से अभियान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हरियाली और पेड़ों को काटने की कीमत पर विकास नहीं होना चाहिए।

एक्शन से भरपूर तेलुगू फिल्म कन्नप्पा का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विष्णु मंचू ,अक्षय कुमार, प्रभास, मोहनलाल जैसे सितारों से सजी तेलुगु फिल्म कन्नप्पा का टीजर रिलीज हो गया है। तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' में विष्णु मंचू की मुख्य भूमिका है। फिल्म में विष्णु मंचू के अलावा अक्षय कुमार मलयालम फिल्मों की सुपरस्टार मोहनलाल, तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास, प्रीति मुकुंदन, शरतकुमार, काजल अग्रवाल आदि भी नज़र आएंगे।मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी 'कन्नप्पा' का टीजर रोमांच से भरपूर है। टीजर में दिखाया गया है कि कन्नप्पा इतना सक्षम है कि वह किसी की मदद के बगैर ताकतवर लोगों को मार सकता है। टीजर में एक–एक कर मोहन बाबू, सरतकुमार, काजल अग्रवाल, मोहनलाल, अक्षय कुमार और

प्रभास की झलक भी दिखाई गई है। अक्षय कुमार 'ओएमजी' के बाद एक बार फिर इस फिल्म में भगवान शिव के रोल में नज़र आएंगे, जबकि विष्णु मंचू भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा की भूमिका में दिखाई देंगे। इस फिल्म को तेलुगु के साथ–साथ तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। टीजर भी पांचों भाषाओं में आया है।

फिल्म कन्नप्पा की कहानी भगवान शिव के भक्त रहे कन्नप्पा की जिंदगी पर आधारित है। तमिल लोक कथाओं के अनुसार कन्नप्पा की भगवान शिव में अटूट श्रद्धा थी। आंध्र प्रदेश के श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर से उनकी किवदंती जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि कन्नप्पा शिकारी थे और उन्होंने भगवान शिव को अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी।वे अपनी दूसरी आंख निकालते, उससे पहले ही भगवान शिव उनके सामने प्रकट हो गए थे। शिव ने कन्नप्पा को शैव संतों के 63 नयनार में से एक के रूप में सम्मानित किया।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने आधिकारिक तौर पर जी7 शिखर सम्मेलन का समापन किया

बारी (इटली)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को दक्षिणी इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी7 शिखर सम्मेलन का आधिकारिक रूप से समापन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी वार्ता का जिक्र किया। दोनों नेताओं ने बैठक के दौरान द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। सात औद्योगिक देशों के समूह की अध्यक्षता करने वाले देश के रूप में, इटली ने भागीदार देशों – अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, जर्मनी, फ्रांस और यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं की मेजबानी की। उन्होंने भारत सहित 'ग्लोबल साउथ' का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 देशों के प्रतिनिधियों की भी मेजबानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक दिवसीय दौरे के अंत में शुक्रवार शाम को मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी तथा संवाद सत्र में भाग लिया था। उन्होंने इस मौके पर कई द्विपक्षीय बैठकें भी की थीं। मेलोनी ने शनिवार को प्रेस वार्ता में संवाददाताओं से कहा, श्री मोदी के साथ हमने 2022 में शुरू होने वाली अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों को तलाशा। जी7 बैठक के कुछ मुख्य अंश प्रस्तुत करते हुए मेलोनी ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता को ''चीन के लिए एक स्पष्ट संकेत'' बताया। उन्होंने कहा, ''हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन हमारी कंपनियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार में समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए।''

फिल्म 'ऐसा पति मुझे दे भगवान' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आईवीवाई एंटरटेनमेंट एक्चुअल मूवीज एलएलपी एसोसिएशन प्रस्तुत भोजपुरी की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान के निर्माता संदीप सिंह और अविनाश रोहरा हैं। इस फिल्म में अक्षरा सिंह और अंशुमान सिंह राजपूत की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म का निर्देशन इस्तियाक शेख बंटी ने किया है।फिल्म को लेकर अक्षरा सिंह ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म बेहद पसंद आएगी। इसमें मनोरंजन के सभी तत्व हैं,कॉमेडी, इमोशन, और एक दिलचस्प कहानी के साथ इमोशनल क्लाईमेक्स मुख्य आकर्षण है। ऐसा पति मुझे दे भगवान का ट्रेलर बी4यू के ऑफिसियल यूट्यूब पर रिलीज किया गया है।फ़िल्म ऐसा पति मुझे दे भगवान में अक्षरा सिंह और अंशुमान सिंह राजपूत के साथ अयाज़ खान, अमित शुक्ला , विद्या सिंह, प्रेम दुबे , ज्योति मिश्रा , पल्लवी कोहली मुख्य भूमिका में हैं। कथा , पटकथा एवं संवाद अरविन्द तिवारी का है। संगीतकार साजन मिश्रा, गीतकार अरबिंद तिवारी और प्यारे लाल यादव हैं। गायक प्रियंका सिंह, ज्योति शर्मा और सुगम सिंह हैं। संकलन नागेंद्र यादव और पोस्ट प्रोडक्शन आई विज़न है। छायांकन डी के शर्मा का है। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और सोनू प्रीतम ,आर्ट डायरेक्टर संजय कुमार हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में शनिवार को '5157वां माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस महेश नवमी' का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन से की हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बधाई

भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा कर्नाटक के महासचिव इन्द्रचंद नाहर के नेतृत्व में पूर्व पार्षद बाबूभाई मेहता, मूर्तिपूजक युवक महासंघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अरुण लुणावत, फुटरमल दांतेवाडिया, महेश जैन एवं पूर्व पार्षद कविता जैन आदि ने बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र के विजयी हुए भाजपा प्रत्याशी तेजस्वी सूर्या से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई दी तथा सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित प्रेस्टीज वेस्टवुड्स संगठन के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष उदय शेट्टी, सचिव सतीश , कोषाध्यक्ष मनोहर हजारे,निदेशक अश्विन सेमलानी, सदस्य नरेश अग्रवाल ने बेंगलूरु लोकसभा सेंट्रल से पुनः निर्वाचित सांसद पी. सी. मोहन से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई दी।

'स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में इतिहास रचा जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

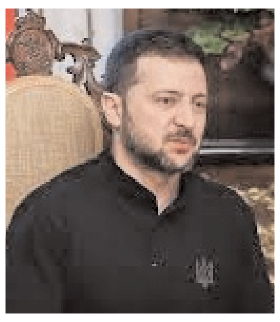

ओबुर्गेन (स्विटजरलैंड)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को दावा किया स्विटजरलैंड द्वारा आयोजित सम्मेलन में इतिहास रचा जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन में शांति की दिशा में पहला कदम बढ़ाना है। सम्मेलन में इक्वाडोर, आइवरी कोस्ट, केन्या और सोमालिया के राष्ट्रपति दर्जनों पश्चिमी राष्ट्राध्यक्षों और अन्य नेताओं तथा राजनयिकों के साथ शामिल होंगे। वहीं, रूस ने इससे दूरी बना ली है। स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड के साथ पत्रकारों को दिये एक संक्षिप्त बयान में जेलेंस्की ने कहा, हम दुनिया के सामने यह विचार वापस लाने में सफल रहे हैं कि संयुक्त प्रयासों से युद्ध को रोका जा सकता है और न्यायपूर्ण शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हम इस बार शिखर सम्मेलन में इतिहास रचे जाते देखेंगे।

सम्मेलन की मेजबानी कर रहे स्विटजरलैंड अधिकारियों का कहना है कि 50 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष लेक ल्यूसर्न के नजदीक बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में होने वाले इस सम्मेलन में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में लगभग 100 प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहेंगे।

यूक्रेन में शांति के लिए आयोजित हो रहे सम्मेलन में हिस्सा लेंगे विश्व के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जिनेवा। इक्वाडोर, आइवरी कोस्ट, केन्या और सोमालिया के राष्ट्रपति यूक्रेन में शांति की दिशा में पहले कदम की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से इस सप्ताहांत आयोजित होने वाले सम्मेलन में कई पश्चिमी राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों तथा अन्य नेताओं के साथ शामिल होंगे। इस सम्मेलन में रूस स्पष्ट रूप से अनुपस्थित रहेगा। सम्मेलन की मेजबानी कर रहे स्विट्जरलैंड अधिकारियों का कहना है कि 50 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष लेक ल्यूसर्न के नजदीक बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में होने वाले इस सम्मेलन में शामिल होंगे।

इस सम्मेलन में शामिल होने वालों में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का नाम भी शामिल है। इस सम्मेलन में लगभग 100 प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी इस सम्मेलन में भाग लेंगी, जबकि तुर्की और सऊदी अरब ने अपने विदेश मंत्रियों को भेजा है। इस सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे प्रमुख विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व निचले स्तर पर होगा। चीन इस सम्मेलन में भाग नहीं ले रहा है।

पाकिस्तानी संयुक्त राष्ट्र मिशन पर साइबर हमला, अकाउंट, ईमेल, यूट्यूब चैनल में सेंध लगाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन पर साइबर हमला किया गया, जिसमें उसके आधिकारिक

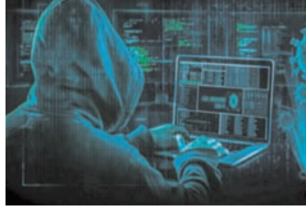

ईमेल अकाउंट और यूट्यूब चैनल में सेंध लगाई गई। एक खबर में शनिवार को यह जानकारी दी गई है। समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार यह साइबर हमला शुक्रवार को अमेरिकी समयानुसार शाम चार बजे हुआ। खबर के अनुसार इस साइबर हमले का लक्ष्य स्थायी मिशन की सूचना शाखा द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ईमेल आईडी थी। खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मिशन के यूट्यूब चैनल में सेंध लगाई गई और हमलावरों ने उसका नाम, बैनर और विषय-वस्तु बदल दी। पाकिस्तानी संयुक्त राष्ट्र मिशन ने अनुरोध किया कि उसके चैनलों पर डाले गए सभी ईमेल और वीडियो की तब तक अनदेखी की जाये जब तक कि वे अपने अकाउंट पर नियंत्रण हासिल नहीं कर लेते। किसी भी समूह/संस्था ने साइबर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मानवसेवा, रुद्राभिषेक, अन्नदान आदि अनेक कार्यों के साथ मनाई महेश नवमी

■ माहेश्वरी सभा के 50 वें स्थापना वर्ष पर हुए अनेक आयोजन ■ माहेश्वरी समाज का 5157वां उत्पत्ति दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में शनिवार को '5157वां माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस महेश नवमी' का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन से की हुई। इस मौके पर रुद्राक्ष से बने शिवलिंग की मनमोहक झांकी सजाई गई और साथ ही छोटे-छोटे 12 ज्योतिर्लिंग की झांकी उसे और आकर्षित बना रही थी। पंडितश्री मुरारीजी दाधीच एवं अन्य विद्वान पंडितों ने पूरे विधि विधान व मंत्रोच्चार के साथ भगवान महेश की वंदना और आरती के साथ संगीतमय रुद्राभिषेक करवाया। माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकीशोर-अनुश्री मालू के साथ साथ 11 यजमान, अजय श्रीकिशन मालपानी परिवार, राजेश मारू परिवार, जाजू परिवार, नंदकिशोर मालू परिवार, रघुनाथ तोषनीवाल परिवार, मुकेश चितलांगिया परिवार, मुकेश बलदवा परिवार, सुरेश बियानी परिवार सहित महेश सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, माहेश्वरी फाउंडेशन एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने संगीतमय ढंग से 12 ज्योतिर्लिंगो का रुद्राभिषेक किया गया। इस रुद्राभिषेक कार्यक्रम के दौरान एक दुर्लभ संयोग देखने को मिल जब माहेश्वरी सभा के संस्थापक व प्रथम अध्यक्ष श्रीराम साबू एवं वर्तमान अध्यक्ष नवलकिशोर मालू एक साथ भगवान महेश का रुद्राभिषेक किया और स्थापना के वर्ष 50वर्ष के इतिहास को दोहराया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के सदस्य, महिलाएं, युवा, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों ने भगवान महेश का अभिषेक किया।

रुद्राभिषेक के पश्चात भवन परिसर में राहगीरों व जरुरतमंदों के लिए अन्नदान का आयोजन किया। माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ने बैंक परिसर में भी अन्नदान आयोजित किया। सभा ने सुरेंद्र थिरानी परिवार के सौजन्य से महेश नवमी के मौके पर बसवपुरा स्थित दीनोधारा ट्रस्ट फॉर डिसेबल्ड के 70 बच्चों को बैग, बुक, पेंसिल इत्यादि पाठ्य सामग्री वितरित की। महेश नवमी के शुभ दिन समाज के सक्रिय सदस्य नारायण मंत्री ने मरणोपरांत स्वेच्छा से देहदान देने का संकल्प किया। रविवार को महेश नवमीं के उपलक्ष्य में सुबह 10 बजे से चित्रकला प्रतियोगिता, फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता, नृत्य नाटिका, वरिष्ठ सदस्य सम्मान, विशिष्य उपलब्धि प्राप्त समाज बंधुओं का सम्मान, मेधावी विद्यार्थियों को सरस्वती पुरस्कार सहित अनेक आयोजन होंगे।

रक्तदान शिविर में 67 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बोमसन्द्रा स्थित एसएए इजीनियरिंग परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर उद्घाटन केएमवाईएफ के शिविर संयोजक राहुल मेहता, संजीव बालगोपाल, विशाल जैन ने किया। इस शिविर में करीब 67 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यह जानकारी केएमवाईएफ के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने दी।

उत्साहवर्धन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर स्थित वर्धन विजन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा बैडमिंटन स्पर्धा वर्धन विजन कप का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। अभिभावकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों को खेलने के लिए समय दें और सहयोग करें। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर के प्राणि उद्यान के बाड़े में बब्बर शेर व शेरनी का प्रवेश कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान के बाड़े में बब्बर शेर 'भरत' और शेरनी 'गौरी' को प्रवेश कराया। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गयी। आधिकारिक बयान के अनुसार इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्रीन टनल एवं पक्षियों के बाड़े का लोकार्पण भी किया। इन दोनों वन्यजीवों (शेर-शेरनी) को मई माह के अंतिम सप्ताह में इटावा लॉयन सफारी से लाया गया था। अब चिड़ियाघर आने वाले दर्शक बब्बर शेर के इस जोड़े को देखने का आनन्द उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्राणि उद्यान के निदेशक एवं डीएफओ से बब्बर शेर की इस जोड़े के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने शेर के बाड़े के समीप हरिशंकरी पौध का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा तैल चित्रों का भी अवलोकन किया।

प्राणि उद्यान के निरीक्षण के क्रम में उन्होंने गैंडों के जोड़े हरि और गौरी के बाड़े के पास पहुंचकर उन्हें चारा खिलाया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हिमालयन भालू 'बिल्लू' के बाड़े पर पहुंचकर उसे आवाज देकर बुलाया तथा आइसक्रीम, बर्फ का गोला और शहद खिलाया। उन्होंने प्राणि उद्यान के अन्य वन्यजीवों के बाड़ों का भी अवलोकन किया। प्राणि उद्यान भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद लखीमपुर खीरी से लाए गए बाघ का नामकरण 'शक्ति' किया। उन्होंने वनटांगिया बस्ती जंगल तिकोनिया नम्बर तीन के कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों से भेंटकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा चॉकलेट दी। इस दौरान उन्होंने बच्चों को चॉकलेट का रैपर या अन्य कूड़ा इधर-उधर न फेंकने के बजाए उसे कूड़ेदान में डालने की सीख दी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शेयर मार्केट में सफल होने के लिए धन के साथ साथ मूलभूत जानकारी होना भी बहुत जरुरी : प्रशिक्षक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर नॉर्थ के अंतर्गत जीतो लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत 'बेसिक टू ब्रिलियंस-स्टॉक मार्केट में सफलता के लिए आपका रोडमैप' विषय पर सेमिनार जीतो ऑफिस राजाजीनगर में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित हुई। सेमिनार के मुख्य बिन्दु थे शेयर बाजार की कार्यप्रणाली की मूल अवधारणा को समझना, विभिन्न प्रमुख खिलाड़ियों और उनकी भूमिकाओं को समझना, शेयरों में निवेश के लाभ और जोखिम को समझना, एक विविध पोर्टफोलियो बनाना, दीर्घकालिक सोच के महत्व को समझना आदि। प्रशिक्षण देते हुए मुख्य प्रशिक्षक सोनिया नंगावत ने कहा कि शेयर बाजार ऐसा क्षेत्र है जो सभी के लिए है, लेकिन केवल धन के साथ इसे शुरू करना कठिन हो सकता है। इसलिए, मूलभूत जानकारी को समझना बेहद महत्वपूर्ण है। एक मजबूत नींव मजबूत परिणाम ला सकती है। यदि आप अपने बुनियादी सिद्धांतों को मजबूत कर लेते हैं, तो आप सभी अवधारणाओं को आसानी से समझ सकते हैं। उन्होंने बहुत से व्यावहारिक और वास्तविक जीवन के उदाहरण साझा किए।

सेमिनार के दौरान, उन्होंने सदस्यों की आगाह करते हुए कहा कि शुरुआती निवेशकों के लिए सभी महत्वपूर्ण जानकारियों को सरल और विस्तृत तरीके से समझना होगा ताकि उनका हर कदम उनके लिए सही हो। इसके अलावा, सोनिया ने पीपीटी के माध्यम से म्यूचुअल फंड्स पर भी जानकारी दी और छोटे से निवेश से शुरुआत कैसे करें, इस पर भी चर्चा की। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। कार्यसमिति सदस्य मीना बड़ेरा, सोमना सिसोदिया, संगीता नागोरी ने आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। सह-संयोजिका नीतू जैन ने प्रशिक्षक का परिचय दिया। प्रशिक्षक का जीतो द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर अनेक सदस्याओं ने अपने विचार व्यक्त किए। संयोजिका संगीता बेताला ने संचालन किया। सहमंत्री पिंकी मेहता ने धन्यवाद दिया ।

मायुम स्टार्स ने ग्रामीण सरकारी विद्यालय में लगाया जलशोधक संयंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने राष्ट्रीय कार्यक्रम अमृतधारा के तहत शहर से 135 किमी दूर ग्रामीण इलाके में स्थित किरगुसुरु सरकारी विद्यालय में एक जल शोधक संयंत्र का शुभारंभ किया।

शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने बताया कि मायुम स्टार्स ने 120 लीटर क्षमता के जल शोधक यन्त्र का नियमित निरीक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी भी ली है। इस मौके पर शाखा उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यक्रम निदेशक आयुष अग्रवाला, अमृतधारा संयोजक वरुण गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवानंद की उपस्थिति में स्थानीय समाजसेवी घनश्यामदास ने संयंत्र का उदघाटन किया। इस मौके पर संस्था की ओर से बच्चों को अल्पाहार भी दिया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com